सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

सु-विचार
कुछ रिश्तों की कीमत नहीं होती,
उनकी अहमियत होती है

अज्ञात...

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष–01 अंक–175 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 14 जुलाई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

डबल इंजन सरकार में चिकित्सा शिक्षा का ऐतिहासिक विस्तार, मिलेगा रोजगार

छत्तीसगढ़ को मिले 5 नए शासकीय मेडिकल कॉलेज, 250 नई एमबीएस सीटें स्वीकृत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में चिकित्सा शिक्षा को बड़ी सौगात मिली है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग एनएमसी ने प्रदेश में 5 नए शासकीय मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के लिए शैक्षणिक सत्र 2026–27 से स्वीकृति दे दी है। इन कॉलेजों में गीदम दंतेवाड़ा, कुनकुरी जशपुर, मनेन्द्रगढ़, जांजगीर–चांपा एवं कबीरधाम शामिल हैं। प्रत्येक कॉलेज में 50–50 एमबीबीएस सीटें होंगी। इस तरह प्रदेश में एक साथ कुल 250 नई एमबीएस सीटों का विस्तार होगा।

छत्तीसगढ़ की दिशा में बड़ा कदम

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसे चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य अधोसंरचना के विकास का ऐतिहासिक पड़ाव बताया। उन्होंने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में स्वास्थ्य और शिक्षा सबसे बड़ी पूंजी हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य ऐसा सुदृढ़ और समावेशी स्वास्थ्य तंत्र विकसित करना है, जहां प्रदेश का कोई भी युवा डॉक्टर बनने के सपने से वंचित न रहे और नागरिकों को बेहतर उपचार के लिए दूर नहीं जाना पड़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी नक्सल हिंसा से प्रभावित रहे गीदम दंतेवाड़ा से लेकर उत्तर छत्तीसगढ़ के आदिवासी वनांचल कुनकुरी जशपुर तक नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना इस बात का प्रमाण है कि डबल इंजन सरकार विकास के अवसरों को प्रदेश के अंतिम छोर तक पहुंचा रही है। यह केवल नए संस्थानों की स्थापना नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों को नई उड़ान और दूरस्थ अंचलों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूत नींव है।

स्थानीय युवाओं को मिलेंगे अवसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा में अभूतपूर्व बदलाव ला रही है। दूरस्थ, आदिवासी और आकांक्षी क्षेत्रों में मेडिकल कॉलेज खुलने से स्थानीय युवाओं को अपने ही राज्य में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा मिलेगी। साथ ही विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ेगी और क्षेत्रीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार आएगा। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा के प्रति छत्तीसगढ़वासियों की ओर से आभार व्यक्त किया। कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य अधोसंरचना का तेजी से विस्तार हो रहा है।

शिक्षा के साथ बनेंगे स्वास्थ्य के केंद्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि नए मेडिकल कॉलेज केवल शैक्षणिक संस्थान नहीं होंगे, बल्कि चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान, विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं और मानव संसाधन विकास के सशक्त केंद्र बनेंगे। इससे डॉक्टरों की नई पीढ़ी तैयार होगी और ग्रामीण–दूरस्थ क्षेत्रों में बेहतर उपचार सुनिश्चित होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि यह ऐतिहासिक उपलब्धि छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी तथा विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को और सशक्त बनाएगी।

राजनीतिक घटनाक्रम का विश्लेषण

दतिया से 'पत्ता साफ' : क्या भाजपा में शुरू हुआ 'क्लींजिंग ऑपरेशन' और 'मार्गदर्शक मंडल 2.0'?

आलोक तिवारी

दतिया। मध्य प्रदेश की सियासत में एक बड़ा झटका और राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ा संदेश। पूर्व गृहमंत्री और भाजपा के कद्दावर नेता नरोत्तम मिश्रा का दतिया उपचुनाव से टिकट कटना महज एक सीट का फैसला नहीं है। यह भाजपा के भीतर चल रहे एक बड़े "कोल्ड वॉर" और "क्लींजिंग ऑपरेशन" की झांकी है। आलाकमान ने नामांकन पत्र खरीदने और एक महीने से प्रचार कर रहे नरोत्तम मिश्रा की जगह आशुतोष तिवारी को दतिया से प्रत्याशी घोषित कर दिया। मंच पर भावुक होकर मिश्रा ने कहा, "पद बड़ा नहीं, पार्टी बड़ी है।" लेकिन इस एक लाइन के पीछे पार्टी, संगठन और सत्ता के समीकरणों की लंबी कहानी छिपी है। नरोत्तम मिश्रा का नाम कभी अमित शाह के "खास" लोगों में गिना जाता था। जब शाह अदालती मामलों के दौरान पीतांबरा पीठ दर्शन को दतिया आते थे, तब स्थानीय विधायक के नाते मिश्रा ने उनकी पूरी व्यवस्था संभाली थी। 2020 में कमलनाथ सरकार गिरने के बाद उन्हें गृह जैसा महत्वपूर्ण विभाग मिला और वे प्रदेश में "नंबर–2" माने जाने लगे। लेकिन 2023 में मोदी लहर के बावजूद दतिया सीट हारने, अनावश्यक बयानबाजी और अनुशासन के सवालों ने उनके कद को लगातार कम किया। अब उपचुनाव में टिकट न देकर आलाकमान ने साफ कर दिया कि नजदीकी का दौर खत्म हुआ।

टिकट क्यों कटी ?

बयानबाजी और इमेज: पीएम मोदी ने 2023 में नेताओं को फिल्मों और अनर्गल बयानों से बचने को कहा था। मिश्रा का बड़बोलापन आलाकमान को रास नहीं आया।– चुनावी हार: 2023 में भाजपा की बंपर जीत के बीच उनका दतिया से हारना "विनेबिलिटी" पर सवाल बन गया।– आलाकमान का सख्त रुख: धामी और केशव मौर्य को हार के बाद भी पद मिले, लेकिन मिश्रा को न लोकसभा, न राज्यसभा और अब उपचुनाव में भी जगह नहीं।– अनुशासनहीनता: टिकट कटते ही समर्थकों का पार्टी दफ्तर पर हंगामा। मोदी–शाह की अनुशासित भाजपा में इसे बगावत मानकर गंभीरता से लिया गया।

मोहन यादव का 'चक्रव्यूह' और राष्ट्रीय "क्लींजिंग"

मध्य प्रदेश में चर्चा है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मिश्रा को मुश्किल स्थिति में डाल दिया है। अब उपचुनाव का प्रचार उन्हें ही कराना है। जीत हुई तो श्रेय संगठन को, हार हुई तो ठीकरा मिश्रा पर।

लेकिन यह सिर्फ दतिया तक सीमित नहीं है। दिल्ली में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के दफ्तर से 4 वरिष्ठ स्टाफ हटाए गए। कई मंत्रियों के ढर अब सीधे ढटड से नियुक्त हो रहे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि नरोत्तम मिश्रा की टिकट और दिल्ली में स्टाफ पर गाज एक ही "क्लींजिंग ऑपरेशन" के दो हिस्से हैं। मकसदः पुराने पावर सेंटर तोड़कर नई टीम बनाना।

भाजपा में अब स्पष्ट "पीढ़ीगत बदलाव" दिख रहा है। पार्टी अब पुराने, बड़बोले और क्षेत्रीय दबदबे वाले नेताओं की जगह नए, शांत और संघ पृष्ठभूमि वाले कार्यकर्ताओं को तरजीह दे रही है।

– "लैम्प पोस्ट थ्योरी": पार्टी का संदेश है कि चुनाव मोदी के नाम पर जीता जाएगा। उम्मीदवार कोई भी हो।– रोटेशन पॉलिसी: 40 साल तक एक पद पर बने रहने का जमाना गया। मोहन यादव को उट बनाना और अब मिश्रा को किनारे करना इसी का हिस्सा।– संघ का बढ़ता दबदबाः दतिया में आशुतोष तिवारी और बिहार के बांकीपुर में नीरज अभिषेक को टिकट मिलना इसी ओर इशारा करता है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के उम्मीदवार को भी आखिरी वक्त में बदला गया।

दतिया तो सिर्फ झांकी है: नरोत्तम मिश्रा का टिकट कटना एक "शॉक ट्रीटमेंट" था। अंदरूनी सर्वे में उनके तीसरे–चौथे नंबर पर होने और मोहन सरकार को अस्थिर होने से बचाने की रणनीति भी इसके पीछे मानी जा रही है। सवाल अब यह है कि क्या यह "क्लींजिंग" यहीं रुकेगी ? आने वाले कैबिनेट फेरबदल और राष्ट्रीय कार्यकारिणी में और नाम सामने आ सकते हैं। भाजपा साफ संदेश दे रही है – पार्टी में अब न कोई "अनिवार्य" चेहरा है, न कोई "वैकल्पिक" नहीं। फैसला सिर्फ एकः संगठन, अनुशासन और मोदी–शाह की रणनीति सवीपरि। दतिया की हार–जीत से ज्यादा अहम यह होगा कि नरोत्तम मिश्रा इस झटके के बाद क्या रास्ता चुनते हैं। क्योंकि दतिया तो बस शुरुआत है, पूरी फिल्म अभी बाकी है।

एक–एक कर डरकर गिर रही बच्चियां

स्वामी आत्मानंद स्कूल में 3 दिन में 11 छात्राएं बेहोश, कारण अब तक अज्ञात

डॉक्टर और शिक्षा विभाग हैरान

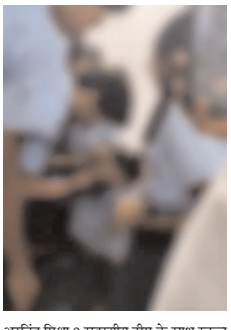

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिले के खम्हरिया गांव स्थित स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल में पिछले तीन दिनों से अजीब और डराने वाली घटनाएं सामने आ रही हैं। यहां छात्राएं अचानक डरकर बेहोश हो रही हैं। सोमवार को फिर 3 छात्राओं के बेहोश होने के बाद अब तक कुल 11 छात्राएं इस तरह बेहोश हो चुकी हैं। डॉक्टरों को भी अभी तक सही कारण समझ नहीं आ रहा है।

9 जुलाई से शुरू हुआ सिलसिला

स्कूल की प्रिंसिपल सुनीता दीवान ने बताया कि घटना 9 जुलाई को शुरू हुई। उस दिन 5वीं की एक छात्रा गेम्स पीरियड में मैदान में पसीने से लथपथ हो गई। उसे सांस लेने में दिक्कत और सीने में दर्द की शिकायत हुई और वह घबराकर बेहोश होकर गिर पड़ी। उसे देखकर 4 अन्य छात्राएं भी इसी तरह असामान्य व्यवहार करने लगीं और बेचैनी के बाद बेहोश हो गईं।

11 जुलाई को 9वीं और 10वीं की 3 छात्राएं जोर से चिल्लाकर सहम गईं और गिर पड़ीं। उन्हें शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज जुनवानी में भर्ती कराया गया। करीब 3 घंटे बाद स्वस्थ होने पर उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। सोमवार 13 जुलाई को फिर 3 छात्राएं घबराकर चिल्लाईं और बेहोश हो गईं। उन्हें देखकर बाकी बच्चे डरकर भागने लगे। प्राथमिक उपचार के बाद इन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां कुछ देर में होश आने पर छुट्टी दे दी गई।

8 सदस्यीय टीम पहुंची, ग्रामीणों में अंधविश्वास की चर्चा

घटना की सूचना पर जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा 8 सदस्यीय टीम के साथ स्कूल पहुंचे। उन्होंने प्रिंसिपल से जानकारी ली और बच्चों का हौसला बढ़ाया। टीम ने छात्राओं से बात भी की, लेकिन वे कुछ बता नहीं पाईं। अस्पताल ले जाते–ले जाते वे सामान्य हो जाती हैं और डॉक्टर भी उन्हें स्वस्थ बताकर डिस्चार्ज कर दे रहे हैं।

शिक्षा विभाग इसे मनोवैज्ञानिक कारण बता रहा है, जबकि गांव में इसे लेकर अंधविश्वास की चर्चाएं भी शुरू हो गई हैं।

डीईओ अरविंद मिश्रा ने कहा, "बच्चियां अस्पताल पहुंचते तक ठीक हो जाती हैं। ऐसा क्यों हो रहा है, इसका कारण अभी पता नहीं चल पाया है। सभी बच्चियां फिलहाल स्वस्थ हैं।"

स्कूल प्रबंधन और स्वास्थ्य विभाग स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

सोशल मीडिया पर रिश्वत लेते वीडियो वायरल, डोंगरगढ़ के पटवारी निलंबित

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

सोशल मीडिया पर एक व्यक्ति से नगद राशि लेते हुए वीडियो वायरल होने के मामले में कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कड़ी कारवाई की है। डोंगरगढ़ तहसील के पटवारी रामकुमार जांगड़े को तत्काल

कार्रवाई

कलेक्टर ने विभागीय जांच के भी दिए निर्देश

प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही उनके विरुद्ध विभागीय जांच शुरू करने के निर्देश जारी किए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डोंगरगढ़ ने प्रतिवेदन में बताया कि पटवारी हल्का क्रमांक 29 गाजमरी एवं अतिरिक्त प्रभार पटवारी हल्का क्रमांक 28 अण्डी के पटवारी रामकुमार जांगड़े का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में वे एक व्यक्ति से नगद राशि लेते दिखाई दे रहे हैं। एसडीएम के प्रतिवेदन में इसे पदीय कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही, अकर्मण्यता, स्वेच्छाचारिता और गंभीर कदाचार बताया गया है। यह कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 का उल्लंघन माना गया। मामले की गंभीरता और निष्पक्ष विभागीय जांच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर ने छत्तीसगढ़ सिविल सेवा वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील नियम 1966 के नियम 9(1)(क) के तहत पटवारी को निलंबित किया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय लालबहादुर नगर निर्धारित किया गया है।

जनपद पंचायत राजनांदगांव की साधारण सभा 16 जुलाई को

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जनपद पंचायत राजनांदगांव की साधारण सभा की बैठक 16 जुलाई 2026 को दोपहर 12 बजे जनपद पंचायत राजनांदगांव के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। बैठक में विभागीय कार्यो की समीक्षा की जाएगी। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है। साथ ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

मोहला में शहीदों की स्मृति में "कोरकोट्टी" पुस्तक का विमोचन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

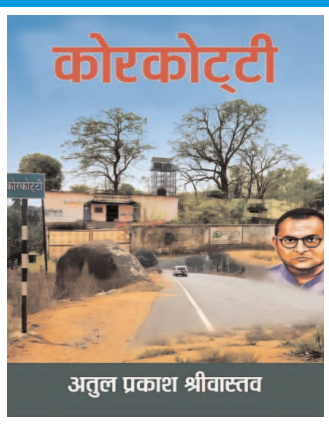

अविभाजित राजनांदगांव जिले के मानपुर क्षेत्र के कोरकोट्टी गांव में 12 जुलाई 2009 को हुई नक्सल घटना पर आधारित पत्रकार अतुल श्रीवास्तव की पुस्तक "कोरकोट्टी" का विमोचन मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिले के मुख्यालय मोहला में किया गया।रविवार 12 जुलाई को कोरकोट्टी घटना की 17वीं बरसी पर पुलिस लाइन मोहला स्थित अमर जवान स्तंभ के पास श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिला पंचायत अध्यक्ष नम्रता सिंह, कलेक्टर तूलिका प्रजापति और पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह सहित जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में शहीदों की नाम पट्टिका और तस्वीरों पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद पुस्तक "कोरकोट्टी" का विमोचन किया गया।

29 जवान हुए थे शहीद

12 जुलाई 2009 को मानपुर के कोरकोट्टी में नक्सली हमले में राजनांदगांव के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार चौबे सहित 29 जवान शहीद हुए थे। शहीदों में निरीक्षक विनोद ध्रुव, उप निरीक्षक धनेश साहू, उप निरीक्षक कोमल साहू, प्रधान आरक्षक गीता भंडारी, संजय यादव, जखरियस खलखो, आरक्षक रजनीकांत, लालबहादुर नाग, निकेश यादव, वेदप्रकाश यादव, श्यामलाल भोई, बेदूराम सूर्यवंशी, लोकेश छेदैया, अजय भारद्वाज, सुभाष बेहरा, रितेश देशमुख, मनोज वर्मा, अमित नायक, टिकेश्वर देशमुख, मिथलेश साहू, प्रकाश वर्मा, सूर्यपाल वट्टी, झाड़ूराम वर्मा, संतराम साहू और सीएएफ भिलाई के दो प्रधान आरक्षक दुष्यंत राठौर और सुंदरलाल चौधरी शामिल थे।

किताब की सराहना

कलेक्टर तूलिका प्रजापति ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि मानपुर क्षेत्र की नक्सल घटना पर लिखी यह किताब पठनीय है। उन्होंने सुझाव दिया कि लेखक शहीदों के परिजनों से और बातचीत कर छूटे हुए बिंदुओं को अगले संस्करण में शामिल करें।

पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह ने कहा कि राजनांदगांव में एएसपी ऑप्स रहने के दौरान से ही लेखक से उनके करीबी संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि मानपुर के साथ ही राजनांदगांव और पूरे छत्तीसगढ़ के पाठकों को यह किताब पढ़नी चाहिए।

लेखक ने किया मानपुर और कोरकोट्टी का भ्रमण

विमोचन के बाद लेखक अतुल श्रीवास्तव मानपुर बाजार चौक में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए और कोरकोट्टी गांव का भ्रमण भी किया। उन्होंने बताया कि घटना स्थल के पास स्थित स्कूल आज भी उसी स्थिति में है। 2009 में पतली सड़क थी, अब वहां सिक्स लेन बन गई है। सड़क निर्माण में उन कई पेड़ों को काटा गया जिन पर उस दिन नक्सलियों की गोलियों के निशान थे। शाम को लेखक ने राजनांदगांव में पूर्व मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से मुलाकात कर पुस्तक भेंट की। डॉ. रमन सिंह ने ही इस पुस्तक की भूमिका लिखी है। उन्होंने पुस्तक को पठनीय बताया। लेखक ने राजनांदगांव पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा और शहीद जवानों के परिजनों को भी पुस्तक भेंट की। एक प्रति कुलदेवी माता शीतला और भगवान चित्रगुप्त के चरणों में अर्पित की। पिता प्रकाश श्रीवास्तव को पुस्तक देते हुए कहा कि नक्सलवाद की समाप्ति के बाद यह उनका सबसे महत्वपूर्ण लेखन प्रयास है। लेखक अब इस पुस्तक को प्रदेश के सभी शहीद परिवारों तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

रायपुर में हिस्ट्रीशीटर वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी की 3 दोपहिया सहित 4 वाहन बरामद

नंबर प्लेट बदलकर पहचान छिपाते थे आरोपी, 2 लाख की मशरूका जप्त

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर कमिश्नरेट की एण्टी क्राईम एण्ड साइबर यूनिट और थाना पंडरी पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में एक हिस्ट्रीशीटर वाहन चोर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की 03 दोपहिया और घटना में प्रयुक्त 01 वाहन सहित कुल 04 दोपहिया वाहन बरामद किए गए हैं। जप्त मशरूका की कीमत लगभग 2 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस उपायुक्त क्राइम एवं साइबर स्मृतिक राजनाला के निर्देश पर वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर सूचना और पेट्रोलिंग के आधार पर आरोपियों की पतासाजी कर रही थी।

इस तरह पकड़ा गया आरोपी

सूचना मिली कि थाना खरोरा का हिस्ट्रीशीटर अभिषेक राय उर्फ जीतू लगातार अलग-अलग दोपहिया वाहन बदलकर उपयोग कर रहा है। टीम ने विधानसभा क्षेत्र में घेराबंदी कर उसे टीवीएस ड्रिम योगा मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 04 एमआर 2024 के साथ पकड़ा।

पूछताछ में पहले गोलमोल जवाब देने के बाद आरोपी ने कबूला कि उसने यह बाइक अपने भाई के साथ मिलकर थाना पंडरी क्षेत्र स्थित बालाजी अस्पताल की पार्किंग से चोरी की थी। उसने यह भी बताया कि वह पल्सर मोटरसाइकिल सीजी 04 पीएम 7546 से रेकी कर विधानसभा क्षेत्र सहित अन्य स्थानों से 2 अन्य वाहन भी चुरा चुका है। पहचान छिपाने के लिए चोरी की गाड़ियों की नंबर प्लेट बदल देते थे।

आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड

गिरफ्तार आरोपी अभिषेक राय उर्फ जीतू, 26 वर्ष, निवासी अमसेना जैतखंभ थाना खरोरा, हाल हाऊसिंग बोर्ड कालोनी धनसुली थाना विधानसभा के खिलाफ रायपुर के विभिन्न थानों में वाहन चोरी और चोरी के 15 से अधिक अपराध दर्ज हैं। वह थाना खरोरा का हिस्ट्रीशीटर है। इसके अलावा जिला दुर्ग के थाना अंडा में दर्ज बैंक डकैती के एक मामले में भी वह जेल जा चुका है।

खास खबर

राजिम नगर पंचायत का हुआ नगर पालिका में उन्नयन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्य शासन ने जारी की अधिसूचना, शहर में खुशी का माहौल

राज्य शासन ने राजिमवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा करते हुए राजिम नगर पंचायत को नगर पालिका के रूप में उन्नत कर दिया है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा इस संबंध में अधिसूचना जारी

कर दी गई है। अधिसूचना के अनुसार राजिम नगर पालिका की सीमाएं नगर पंचायत की पूर्व सीमाओं के अनुसार ही रहेंगी। राज्य शासन के इस निर्णय से पूरे राजिम शहर में खुशी और उत्साह का वातावरण है। नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने कहा कि इस उन्नयन से राजिम के सुनियोजित विकास को नई दिशा मिलेगी। नगर पालिका बनने से शहरी सुविधाओं के विस्तार के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध होंगे। उन्होंने बताया कि इससे राजिम में सड़क, नाली, पेयजल, स्वच्छता, स्ट्रीट लाइट, उद्यान, सामुदायिक भवन सहित विभिन्न आधारभूत सुविधाओं के विकास को और गति मिलेगी। साथ ही राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ भी अब नगरवासियों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेगा।

आदिम जाति विकास विभाग जनजातीय समुदायों के शैक्षणिक और आर्थिक उत्थान के लिए प्रतिबद्ध

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति से लेकर अधोसंरचना तक चल रही अभिनव योजनाएं

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आदिम जाति विकास विभाग प्रदेश की अनुसूचित जनजातियों की शैक्षणिक और आर्थिक उन्नति के साथ उनकी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रहा है। विभाग के अनुसार प्रदेश में 43 अनुसूचित जनजातियां और उनके उपसमूह निवास करते हैं, जो कुल जनसंख्या का 30.62 प्रतिशत है। राज्य में 60 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र अनुसूचित क्षेत्र और 65 प्रतिशत से अधिक आदिवासी उपयोजना क्षेत्र हैं। इन क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों की जनसंख्या 50 प्रतिशत से अधिक है।

समावेशी विकास पर फोकस

विभाग का लक्ष्य कौशल विकास, आजीविका, स्वरोजगार और अधोसंरचना विकास के माध्यम से जनजातीय समुदायों का शैक्षणिक उत्थान, आर्थिक आत्मनिर्भरता, सांस्कृतिक प्रोत्साहन और सामाजिक समरसता स्थापित करना है।

इसके लिए राज्य के आदिवासी अंचलों में शैक्षिक विकास, आर्थिक उत्थान और सांस्कृतिक प्रोत्साहन की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए गए हैं।

आदिवासी उपयोजना के माध्यम से आदिवासी क्षेत्रों में स्थानीय विकास और अधोसंरचना निर्माण को गति दी जा रही है। बस्तर विकास प्राधिकरण, सरगुजा विकास प्राधिकरण और नवगठित मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के माध्यम से इन क्षेत्रों में अनुकरणीय काम हो रहे हैं।

सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण

विभाग ने अनुसूचित वर्गों की अस्मिता और सम्मान के लिए भी कदम उठाए हैं। नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ आदिवासी संग्रहालय और स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीद वीरनारायण सिंह की स्मृति में स्मारक सह संग्रहालय की स्थापना की गई है। इससे प्रदेश के महान आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाया जा सकेगा।

आदिवासी विकास परियोजनाओं, माडा, अभिकरणों की स्वशासी समितियों और जनजातीय सलाहकार परिषद के मार्गदर्शन में विभाग नवाचार के साथ योजनाएं चला रहा है।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना

जनजातीय विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में आर्थिक मदद देने के लिए विभाग अनुसूचित जनजाति पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना संचालित कर रहा है। यह केंद्र प्रवर्तित योजना है। इसमें भारत सरकार का जनजातीय कार्य मंत्रालय 75 प्रतिशत केंद्रांश और छत्तीसगढ़ सरकार 25 प्रतिशत राज्यांश देती है।

इस योजना के तहत कक्षा 12वीं से उच्चतर कक्षा में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी जाती है। कक्षा 1 से 12वीं तक अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति शिक्षा विभाग द्वारा प्रदान की जाती है।

विभाग के प्रयासों से जनजातीय प्रतिभाओं ने शिक्षा, खेल और आजीविका के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं, जिससे जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों के विकास को नई दिशा मिली है।

टीएफ कोलकाता-2026 में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय सम्मान

रायपुर। ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर टीटीएफ कोलकाता-2026 में छत्तीसगढ़ पर्यटन ने राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। तीन दिवसीय आयोजन के समापन पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड को देश के 21 राज्यों की सहभागिता के बीच बेस्ट डेकोरेशन ऑफ स्टॉल एंड अपीयरेंस सम्मान से सम्मानित किया गया। 10 से 12 जुलाई तक कोलकाता के विश्व बंगला प्रांगण में आयोजित इस प्रतिष्ठित पर्यटन मेले में छत्तीसगढ़ का पवेलियन तीनों दिन आगंतुकों, पर्यटन विशेषज्ञों, टूर ऑपरेटर्स और निवेशकों के आकर्षण का केंद्र रहा। पवेलियन में बस्तर की जनजातीय संस्कृति, चित्रकोट एवं तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, सिरपुर, भोरमदेव सहित राज्य के धार्मिक, इको-टूरिज्म और पर्यटन परिपथों को आधुनिक प्रस्तुतीकरण के साथ प्रदर्शित किया गया। इसकी व्यापक सराहना हुई। आयोजन के दौरान छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा, पर्यटन विभाग के सचिव एस भारतीदासन और छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय टूर ऑपरेटर्स, होटल समूहों और निवेशकों के साथ बी-टू-बी बैठकें कीं। इनमें पर्यटन निवेश, संयुक्त पैकेज, विपणन सहयोग और नए बाजारों तक पहुंच पर चर्चा हुई। मेले में छत्तीसगढ़ के साथ राज्य और अन्य राज्यों के लगभग 28 पंजीकृत टूर ऑपरेटर्स, होटल संचालक, होम-स्टे संचालक और पर्यटन उद्यमी भी शामिल हुए। उद्घाटन अवसर पर गोवा के पर्यटन मंत्री रोहन ए. खंवटे, उत्तराखंड के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज, पश्चिम बंगाल के पर्यटन मंत्री डॉ. शंकर घोष और थाईलैंड की महावाणिज्य दूत सिरीपोर्न तांतीपन्याथेप ने छत्तीसगढ़ पवेलियन का अवलोकन किया।

डायल-112 के कर्मचारियों को आपातकालीन उपकरणों का दो दिवसीय प्रशिक्षण

सरगुजा और बलरामपुर-रामानुजगंज के 107 अधिकारी-कमर्चारी हुए लाभान्वित

नई दृष्टिबिंदु / अंबिकापुर

डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल के दिशा-निर्देशन और पुलिस मुख्यालय रायपुर के मार्गदर्शन में जिला सरगुजा और बलरामपुर-रामानुजगंज के डायल-112 आपातकालीन वाहनों में तैनात अधिकारियों-कमर्चारियों के लिए दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कायर्शाला का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण की मास्टर ट्रेनर टीम द्वारा रक्षित केंद्र अम्बिकापुर में दिया गया। इसमें दोनों जिलों के कुल 107 अधिकारी-कमर्चारी शामिल हुए। उपकरणों के व्यवहारिक संचालन की जानकारी

प्रशिक्षण में डायल-112 के वाहनों में लगे उपकरणों आदि के व्यवहारिक संचालन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही आपातकालीन वाहनों के संचालन की मानक प्रक्रिया और नागरिकों को निर्बाध सेवा देने के तरीकों पर जोर दिया गया। मास्टर ट्रेनर प्रोजेक्ट मैनेजर गौरव वर्मा और गोविंदा ने कैमरा लगे वाहनों में तैनात पुलिस स्टाफ और चालकों को कैमरा, जॉयस्टीक, सोलर पैनल, रिमोट, माउस और पॉवर सप्लाई की रोजाना जांच करने के निर्देश दिए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में डायल-112 के नोडल अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लों भी मौजूद रहे। डीसी सरगुजा से प्रधान आरक्षक संजीव कुमार त्रिपाठी, महिला आरक्षक मनीषा द्विवेदी, आरक्षक अजय कुमार थवाईत, महेंद्र कुमार गोड़, प्रदीप बखला, मोहन पवार सहित स्टाफ, थाना/चौकी/यातायात और हाईवे पेट्रोलिंग स्टाफ ने भाग लिया।

रायपुर : खैर लकड़ी तस्करी पर वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, पुष्पा सिंडिकेट का गोदाम सील

दो ट्रकों से ज्यादा अवैध लकड़ी जब्त, हिस्ट्रीशीटर तस्कर मनीष अग्रवाल का नाम सामने

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में अवैध खैर लकड़ी तस्करी के खिलाफ वन विभाग ने आधी रात को बड़ी कार्रवाई की है। ढउउऋअरुण कुमार पाण्डेय के निर्देश पर राज्य उड़नदस्ते ने कथित लकड़ी तस्कर मनीष अग्रवाल के रायपुर स्थित गोदाम पर दबिश देकर दो ट्रकों से अधिक खैर की लकड़ी जब्त की है। मौके पर अवैध रूप से संचालित गोदाम को सील कर दिया गया है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई।

गोदाम में भारी मात्रा में अवैध रूप से काटी गई खैर की लकड़ी रखी हुई थी, जिसे बेचने की तैयारी थी। जब्त लकड़ी की कीमत का आकलन किया जा रहा है।

पुष्पा सिंडिकेट चला रहा था अवैध कारोबार

जांच में सामने आया कि यह पूरा कारोबार पुष्पा सिंडिकेट के नाम से अवैध तरीके से संचालित किया जा रहा था। आरोपी मनीष अग्रवाल लकड़ी को अन्य राज्यों में तस्करी करने की फिराक में था।

वन विभाग के अनुसार आरोपी मनीष अग्रवाल का आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है। वह पूर्व में तेंदुए की खाल और अन्य वन्य जीवों के अवैध व्यापार के मामले में जेल जा चुका है।

आगे की कार्रवाई जारी

वन विभाग ने जब्त लकड़ी को कब्जे में लेकर गोदाम सील कर दिया है। आरोपी के खिलाफ वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। विभाग ने कहा कि राज्य में खैर और अन्य बहुमूल्य लकड़ियों की तस्करी पर इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

कल केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से होगी मुलाकात, प्रदेश को मिला देश में पहला स्थान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात के लिए छत्तीसगढ़ भाजपा की सोशल मीडिया टीम आज रायपुर एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना हुई। टीम कल दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात करेगी। अमित शाह ने सभी राज्यों की सोशल मीडिया टीमों को कुछ टास्क दिए थे, जिसमें प्रदर्शन के आधार पर पूरे देश में छत्तीसगढ़ भाजपा की सोशल मीडिया टीम को प्रथम स्थान मिला है। दिल्ली जाने वाली टीम में शामिलः प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक मितुल कोठारी, सह संयोजक राकेश चंद्राकर, गिन्नी चावला, रवि मिश्रा, तेजपाल शर्मा और दिनेश सुंदरानी शामिल हैं।

इस उपलब्धि पर प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने सोशल मीडिया टीम को बधाई दी है।

सरगुजा पुलिस का सघन चेकिंग अभियान,किरायेदारों और मुसाफिरों का भौतिक सत्यापन, 750 लोगों की जांच

नई दृष्टिबिंदु /अंबिकापुर

डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल के दिशा-निर्देशन में अपराधों की रोकथाम और जिले में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए सरगुजा पुलिस द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के तहत जिले भर में लगभग 750 व्यक्तियों का भौतिक सत्यापन किया गया।

शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक जांच

राजपत्रित पुलिस अधिकारियों की देखरेख में समस्त थाना/चौकी प्रभारियों और पुलिस टीमों ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में किरायेदारों और मुसाफिरों की जांच की।

थाना गांधीनगर क्षेत्र में सुभाषनगर, भगवानपुर, फूंदुरडिहारी, थाना कोतवाली के नवागढ़, सत्तीपारा और थाना मणिपुर के बंजारी, लक्ष्मीपुर, मठपारा सहित ग्रामीण थाना क्षेत्रों की उन बस्तियों को चिन्हित किया गया जहां बाहर से आकर रहने वालों की संख्या अधिक है। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने लगभग 350 मकानों में जाकर 750 लोगों के पहचान पत्र और आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन किया।

मकान मालिकों को दिए सख्त निर्देश

पुलिस ने मकान मालिकों को निर्देश दिए कि बिना सत्यापन के किसी को मकान किराये पर न दें। किराये पर देने से पहले किरायेदार की पूरी जानकारी, पहचान पत्र, मोबाइल नंबर, स्थाई और वतर्मान पता थाना/चौकी में दर्ज कराना अनिवार्य है। बाहर के प्रांतों से आए किरायेदारों को अपने पहचान पत्र के साथ थाने में मुसाफिरी दर्ज कराने के निर्देश भी दिए गए। डीआईजी एवं एसएसपी ने सभी थाना/चौकी प्रभारियों को बाहरी व्यक्तियों और किरायेदारों के सत्यापन के लिए निरंतर अभियान चलाने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं।

आकांक्षा के नेतृत्व में सेवा कार्यों की झड़ी, शिक्षा और मानवता का बना प्रेरक अभियान

लीनेस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी ने स्कूली बच्चों को वितरित की शैक्षणिक सामग्री, सेवा और संवेदनशीलता का दिया अनुकरणीय संदेश

कैलाश जैन बरमेचा

"सर्वे भवन्तु सुखिनः" की पावन भावना को आत्मसात करते हुए लीनेस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी द्वारा अपने गोद लिए गए शासकीय प्राथमिक शाला, पोटिया कला में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों को कॉपी, पेंसिल, स्केल, शार्पनर एवं इरेजर के सेट वितरित किए गए। इस अवसर पर बच्चों के चेहरों पर प्रसन्नता की झलक देखते ही बन रही थी।

क्लब की अध्यक्ष ली. आकांक्षा मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने बच्चों से अध्ययन सामग्री का सदुपयोग करने, नियमित रूप से विद्यालय आने, अनुशासन का पालन करने तथा अपने माता-पिता एवं शिक्षकों का सम्मान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आज का शिक्षित और संस्कारित बालक ही कल एक आदर्श नागरिक बनकर राष्ट्र के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन (एजुकेशन) ली. विभा गुप्ता, माइक्रो चेयरपर्सन (एजुकेशन) ली. सीमा गुप्ता, क्लब की सचिव ली. बरखा बैस, कोषाध्यक्ष ली. ऋतु ठाकुर, पूर्व अध्यक्ष ली. लक्ष्मी चंद्राकर तथा विद्यालय की पूर्व प्राचार्य विजयलक्ष्मी ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहीं। सभी ने बच्चों से आत्मीय संवाद किया, उनका परिचय जाना, उनके सपनों और रुचियों के बारे में जानकारी ली तथा उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर बच्चों को बिस्कुट एवं चॉकलेट भी वितरित किए गए।

विद्यालय की प्राचार्य संध्या साहू ने लीनेस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी के इस प्रेरणादायी प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक संस्थाओं का सहयोग विद्यार्थियों के मनोबल को बढ़ाने के साथ-साथ शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण भी निर्मित करता है। उन्होंने सभी अतिथियों एवं क्लब सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पिछले कुछ वर्षों से यह निरंतर देखने में आ रहा है कि लीनेस क्लब एवं लायंस क्लब से जुड़ी शिक्षित, संवेदनशील एवं समाजसेवा के प्रति समर्पित महिलाएं शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, खेल, महिला सशक्तिकरण तथा मानव सेवा के विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। ये महिलाएं केवल औपचारिक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहयोग, संवेदना और आत्मीयता पहुंचाने का सतत प्रयास करती हैं। उनके कार्य यह सिद्ध करते हैं कि निस्वार्थ मानव सेवा ही सबसे बड़ी उपासना है।

विशेष रूप से ली. आकांक्षा मिश्रा के नेतृत्व में पिछले दो-तीन वर्षों के दौरान सेवा कार्यों की एक प्रेरणादायी श्रृंखला देखने को मिली है। शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, खेल गतिविधियों तथा जरूरतमंदों की सहायता जैसे अनेक क्षेत्रों में उन्होंने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर निरंतर जनहित के कार्य किए हैं। उनका यह विश्वास है कि किसी बच्चे के हाथ में यदि पुस्तक, कॉपी और पेंसिल पहुंचती है तो वह केवल शैक्षणिक सामग्री नहीं, बल्कि उसके उज्ज्वल भविष्य की नींव होती है।

आज समाज को ऐसे ही सेवा-समर्पित व्यक्तित्वों और संस्थाओं की आवश्यकता है, जो बिना किसी स्वार्थ के मानवता की सेवा को अपना धर्म मानते हैं। लीनेस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी और उसकी अध्यक्ष ली. आकांक्षा मिश्रा का यह सतत सेवा अभियान न केवल प्रशंसनीय है, बल्कि समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। ऐसे कार्य यह संदेश देते हैं कि वास्तविक पूजा केवल मंदिरों में दीप जलाने से नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद के जीवन में आशा, शिक्षा और आत्मविश्वास का दीप जलाने से होती है। ऐसे सेवा कार्यों के बीच एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी समाज के सामने खड़ा होता है कि शासन-प्रशासन का ध्यान ऐसे निस्वार्थ एवं मानवीय कार्यों की ओर अपेक्षित रूप से क्यों नहीं जाता। जो व्यक्ति और संस्थाएं बिना किसी स्वार्थ के शिक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य, खेल, महिला सशक्तिकरण एवं मानव सेवा के क्षेत्र में निरंतर उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं, उन्हें समय-समय पर शासन एवं प्रशासन द्वारा सार्वजनिक रूप से सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। ऐसे सेवा-समर्पित व्यक्तित्वों को प्रशस्ति-पत्र, स्मृति-चिन्ह अथवा नागरिक सम्मान प्रदान करना केवल उनका सम्मान नहीं होगा, बल्कि समाज के हजारों अन्य लोगों को भी मानव सेवा के लिए प्रेरित करेगा।

जब सेवा करने वालों को समाज और शासन दोनों का सम्मान प्राप्त होता है, तब मानवता की यह श्रृंखला और अधिक सशक्त होती है तथा नई पीढ़ी के सामने अनुकरणीय आदर्श स्थापित होते हैं। आशा है कि शासन-प्रशासन भविष्य में ऐसे सेवा-समर्पित व्यक्तित्वों और संस्थाओं की पहचान कर उन्हें उचित सम्मान प्रदान करने की दिशा में सार्थक पहल करेगा, जिससे समाज में सेवा, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना और अधिक प्रबल हो सके। हम सभी समाज का अभिन्न अंग हैं। इसलिए केवल शासन-प्रशासन ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भी यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वह अपने आसपास निस्वार्थ भाव से मानव सेवा करने वाले व्यक्तित्वों और संस्थाओं को पहचाने, उनका सम्मान करे तथा उनके प्रेरणादायी कार्यों को समाज के सामने लाए। सम्मान केवल किसी व्यक्ति का नहीं होता, बल्कि उसके माध्यम से सेवा, संवेदना, करुणा और मानवीय मूल्यों का सम्मान होता है। जब समाज अपने सच्चे सेवकों का अभिनंदन करता है, तब नई पीढ़ी के मन में भी सेवा, सहयोग, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक उत्तरदायित्व की प्रेरणा का दीप प्रज्ज्वलित होता है। आज आवश्यकता केवल सम्मान करने की नहीं, बल्कि ऐसे व्यक्तित्वों को समाज का आदर्श बनाने की है, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ यह समझ सकें कि जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल पद, प्रतिष्ठा या आर्थिक सफलता नहीं, बल्कि मानवता की निस्वार्थ सेवा भी है।

वास्तव में किसी भी समाज की समृद्धि उसकी इमारतों, संसाधनों या आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि उसके संवेदनशील नागरिकों और सेवा-समर्पित व्यक्तित्वों से मापी जाती है। जो समाज अपने सच्चे सेवकों का सम्मान करना सीख जाता है, वही समाज भविष्य में महान बनता है। ऐसे व्यक्तित्वों का सम्मान केवल उनका सम्मान नहीं, बल्कि मानवता, संस्कार और भारतीय संस्कृति के उन शाश्वत मूल्यों का सम्मान है, जिन पर एक सशक्त, संवेदनशील और आदर्श राष्ट्र की नींव टिकी होती है। यही इस सेवा अभियान का सबसे बड़ा संदेश है।

खास खबर

सरगुजा : चोरी के मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार, 5 लाख रुपये नगद बरामद

नई दृष्टिबिंदु /अंबिकापुर

डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल के दिशा-निर्देशन में थाना गांधीनगर और साइबर सेल की टीम ने चंद घंटों में चोरी के मामले का खुलासा कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी की पूरी रकम 5 लाख रुपये नगद और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकल भी बरामद की गई है। प्रार्थी सुभाष अग्रवाल, निवासी जवाहर मार्केट कॉलोनी बनारस चौक ने 12 जुलाई को थाना गांधीनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई। प्रार्थी ने बताया कि 11 जुलाई को वह परिवार और दोस्तों के साथ कोरबा के सतरंगा गया था। घर पर काम करने वाले युवक ईश्वर यादव को घर पर छोड़ा था। रात करीब 3.30 बजे पड़ोसी ने फोन कर बताया कि ईश्वर घबराया हुआ उनके घर आया है और कह रहा है कि अज्ञात लोगों ने उसके हाथ-पैर बांधकर घर में चोरी कर ली। पड़ोसी ने जाकर देखा तो घर की लाइट बंद थी और अंदर आलमारी व तिजोरी खुली मिली। वापस आकर जांच करने पर तिजोरी में रखे 5 लाख रुपये गायब मिले। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर में अपराध क्रमांक 437/26 धारा 331(4), 305(ए), 127(2) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया गया। पुलिस जांच में खुला राज एसएसपी राजेश अग्रवाल के निर्देश पर थाना गांधीनगर और साइबर सेल की टीम ने जांच शुरू की। पूछताछ में घर में काम करने वाले ईश्वर यादव, उम्र 32 वर्ष, निवासी कोना थाना बगीचा और ड्राइवर संदीप कुमार साहू, उम्र 21 वर्ष, निवासी महुआपारा ने साजिश कबूल की। आरोपियों ने बताया कि ईश्वर और संदीप साथ काम करते थे। ड्राइवर संदीप के पहचान के अनुराग दास और एक विधि से संघर्षरत बालक भी ईश्वर के कमरे में आते-जाते थे। सभी ने मिलकर चोरी की योजना बनाई और प्रार्थी के बाहर जाने का मौका देखकर वारदात को अंजाम दिया। ईश्वर ने बचने के लिए खुद के हाथ-पैर बंधे होने की झूठी कहानी बनाई थी। पुलिस ने अनुराग दास, उम्र 19 वर्ष, निवासी कुंवरपुर थाना लखनपुर और एक विधि से संघर्षरत बालक को भी गिरफ्तार किया। 5 लाख नगद और बाइक बरामद आरोपी संदीप ने बताया कि रकम को अनुराग और विधि से संघर्षरत बालक ने होंडा साइन मोटरसाइकल क्रमांक उत्र15/एइ/0739 से डाइट के पीछे बाउंड्रीवाल के पास छुपाया था। निशानदेही पर झोले से 5 लाख रुपये नगद और घटना में प्रयुक्त बाइक जब्त की गई।

सीएम विष्णुदेव ने विस में पद्मविभूषण डॉ. तीजन बाई को दी श्रद्धांजलि

"छत्तीसगढ़ ने लोकसंस्कृति का अनमोल रत्न खोया"

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा के पावस सत्र के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पद्म विभूषण से सम्मानित विश्वविख्यात पंडवानी गायिका डॉ. तीजन बाई के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। निधन उल्लेख के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. तीजन बाई के निधन से छत्तीसगढ़ ने अपनी लोकसंस्कृति का एक अनमोल रत्न खो दिया है। उनके जाने से कला और सांस्कृतिक जगत को अपूरणीय क्षति हुई है।

पंडवानी को दिलाई वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. तीजन बाई ने पंडवानी गायन की कापालिक शैली को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। अपनी विलक्षण प्रतिभा से उन्होंने लोककला को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। उनकी प्रस्तुतियों में गायन और अभिनय का अद्भुत समन्वय होता था। पात्रों का सजीव चित्रण, ओजपूर्ण वाणी और प्रभावशाली प्रस्तुति श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देती थी।

उन्होंने कहा कि डॉ. तीजन बाई का जीवन संघर्ष, साधना और समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। जिस दौर में महिलाओं की पंडवानी में भागीदारी सीमित थी, उस समय उन्होंने सामाजिक रूढ़ियों को चुनौती देकर अपनी अलग पहचान बनाई और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनीं।

डॉ. तीजन बाई ने एशिया, यूरोप सहित विश्व के अनेक देशों में प्रस्तुतियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच पर स्थापित किया। उनके योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री, पद्मभूषण, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार सहित अनेक सम्मान मिले। वर्ष 2019 में भारत सरकार ने उन्हें देश के दूसरे सवोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से अलंकृत किया। यह गौरव प्राप्त करने वाली वे छत्तीसगढ़ की एकमात्र विभूति हैं।

देश के शीर्ष नेतृत्व ने भी जताया शोक

मुख्यमंत्री ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्रियों ने भी डॉ. तीजन बाई के कला क्षेत्र में अतुलनीय योगदान का स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने उल्लेख किया कि राज्योत्सव के अवसर पर रायपुर प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री ने डॉ. तीजन बाई के परिजनों से दूरभाष पर बात कर उनका कुशलक्षेम भी जाना था। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनेक विश्वविद्यालयों ने डॉ. तीजन बाई को डी.लिट्. की मानद उपाधि से सम्मानित किया। भारतीय लोकसंगीत और लोकसंस्कृति के संरक्षण-संवर्धन में उनका योगदान सदैव स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। उनकी कला और साधना आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने और उसे आगे बढ़ाने की प्रेरणा देती रहेगी। मुख्यमंत्री ने सदन की ओर से दिवंगत डॉ. तीजन बाई को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना की।

राज्य योग आयोग अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने माँ बम्लेश्वरी मंदिर में की पूजा-अर्चना

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ राज्य योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने राजनांदगांव जिले के प्रवास के दौरान डोंगरगढ़ स्थित प्रसिद्ध माँ बम्लेश्वरी मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रदेश की समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पूजा के बाद संजय अग्रवाल ने विश्राम भवन में जनप्रतिनिधियों, संस्थाओं के प्रतिनिधियों, नागरिकों और अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने आयुष विभाग के अधिकारियों से राज्य योग आयोग द्वारा जिले में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी ली। स्वस्थ जीवन के लिए योग जरूरी इस अवसर पर संजय अग्रवाल ने कहा कि योग को दिनचर्या में शामिल करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने से नागरिकों को स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। उन्होंने नागरिकों को स्वस्थ रहने के लिए योग को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया। अधिकारियों को अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने और जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। कार्यक्रम में राम शर्मा, कोमल सिंह राजपूत, जिला आयुष अधिकारी डॉ. शिल्पा मिश्रा, पतंजलि योग समिति के हेमंत तिवारी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कमर्चारी और योग-आयुष से जुड़े गणमान्यजन उपस्थित थे।

फसल चक्र अपनाकर सोयाबीन की खेती की ओर बढ़े राजनांदगांव के किसान गोकुल वर्मा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राज्य शासन की फसल चक्र प्रोत्साहन योजना से प्रेरित होकर राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम रीवागहन (घुमका) के किसान गोकुल वर्मा ने इस वर्ष धान के स्थान पर सोयाबीन की खेती शुरू की है। गोकुल वर्मा के पास लगभग 9 एकड़ कृषि भूमि है। पहले वे मुख्य रूप से धान की खेती करते थे। इस वर्ष उन्होंने ढाई एकड़ क्षेत्र में सोयाबीन की बुआई की है। धान की फसल खराब होने के बाद लिया निर्णय

गोकुल वर्मा ने बताया कि उनके खेत के कुछ हिस्सों में अल्प वर्षा के कारण पिछले वर्ष करीब 4 एकड़ धान की फसल खराब हो गई थी। इसके बाद कृषि विभाग के अधिकारियों ने उन्हें फसल चक्र अपनाने और सोयाबीन की खेती की सलाह दी। अधिकारियों से योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने शासन की फसल चक्र प्रोत्साहन योजना का लाभ लेने का निर्णय लिया। कृषि विभाग के माध्यम से उन्हें सोयाबीन का बीज भी उपलब्ध कराया गया। उन्होंने बताया कि सोयाबीन वाले खेत में पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था की गई है, जिससे अधिक वर्षा में भी फसल को नुकसान नहीं होगा। रबी में चना और सरसों की योजना गोकुल वर्मा ने बताया कि खरीफ के बाद वे रबी में 4 से 5 एकड़ में चना की खेती करते हैं। इस वर्ष कुछ क्षेत्र में सरसों की खेती करने की भी योजना है। उनका कहना है कि एक ही फसल पर निर्भर रहने के बजाय फसल चक्र अपनाने से जोखिम कम होता है और आय के नए अवसर मिलते हैं। राज्य सरकार द्वारा प्रति एकड़ 15 हजार रुपए की आदान सहायता को उन्होंने किसानों के लिए महत्वपूर्ण प्रोत्साहन बताया। उन्होंने अन्य किसानों से भी अपील की कि जिनके खेतों में धान के लिए अनुकूल परिस्थितियां नहीं हैं, वे फसल चक्र अपनाकर सोयाबीन जैसी वैकल्पिक फसलों की खेती करें। राज्य सरकार की किसान हितैषी पहल की सराहना करते हुए गोकुल वर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह योजना किसानों को खेती में नवाचार अपनाने और आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी।

दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने जिला पंचायत सीईओ का संभाला कायर्भार

राजनांदगांव। नवपदस्थ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित जिला पंचायत कार्यालय पहुंचकर पद का कायर्भार ग्रहण किया। उल्लेखनीय है कि दुर्गा प्रसाद अधिकारी 2023 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। कायर्भार ग्रहण के अवसर पर जिला पंचायत के अधिकारी-कमर्चारी उपस्थित थे।

भुलाटोला में अटल डिजिटल सेवा केंद्र भवन का भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत भुलाटोला में अटल डिजिटल सेवा केंद्र भवन का भूमिपूजन कार्यक्रम उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह रहे। ग्रामीणों की उपस्थिति में विधिवत पूजा-अचर्ना कर भूमिपूजन किया गया।

एक ही जगह मिलेंगी कई सुविधाएं

संबोधित करते हुए विक्रांत सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं को प्राथमिकता देने के लिए यह केंद्र सरकार की अभिनव पहल है। अटल डिजिटल सेवा केंद्र के माध्यम से ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधाएं, राशि निकासी, प्रमाण पत्र संबंधी कार्य सहित पंचायत स्तर के कई आवश्यक कार्य एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे। इससे ग्रामीणों का समय और श्रम दोनों बचेगा और उन्हें शहरों की ओर भटकना नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य दोनों स्तर पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार जनहितकारी योजनाओं के जरिए गांवों के समग्र विकास के लिए काम कर रही है। वर्ष 2047 तक

विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर सरकार प्रतिबद्ध है और इसी दिशा में गांव-गांव तक सुविधाएं पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

पीएम आवास व महतारी वंदन योजना का जिक्र

विक्रांत सिंह ने प्रधानमंत्री आवास प्लस 2.0 योजना का उल्लेख करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ में इसके लिए ग्राम पंचायतों की सूची जारी कर दी गई है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से अपील की कि कोई भी पात्र हितग्राही इस योजना के लाभ से वंचित न रहे। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने महिलाओं से महतारी वंदन योजना के संबंध में जानकारी ली। महिलाओं ने बताया कि यह योजना आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रभावी साबित हो रही है। महिलाओं ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार भी व्यक्त किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सभापति दिनेश वर्मा, प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य घम्मन साहू, गोरेलाल वर्मा, दानी जंघेल, महेंद्र वर्मा, विक्रम मानिकपुरी, महेश्वरी वर्मा, चंदन मानिकपुरी, बालकराम साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

संपादकीय

सेवा ही पूजा है – आकांक्षा मिश्रा और लीनेस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी ने दिखाया अनुकरणीय उदाहरण

कैलाश जैन बरमेचा, समाजसेवी

समाज की असली पहचान उसकी इमारतों या विकास के आंकड़ों से नहीं, बल्कि वहां रहने वाले संवेदनशील नागरिकों और सेवा-समर्पित संस्थाओं से होती है। इसी भावना को दुर्ग में लीनेस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी और उसकी अध्यक्ष आकांक्षा मिश्रा ने अपने निरंतर सेवा कार्यों से साकार किया है।

13 जुलाई को क्लब द्वारा अपने गोद लिए गए शासकीय प्राथमिक शाला, पोटिया कला में अध्ययनरत बच्चों को कॉपी, पेंसिल, स्केल, शार्पनर और इरेजर के सेट वितरित किए गए। बच्चों के चेहरे पर आई खुशी यह बता रही थी कि एक छोटी सी सामग्री भी किसी बच्चे के भविष्य की कितनी बड़ी नींव बन सकती है। आकांक्षा मिश्रा ने बच्चों को शिक्षा का महत्व समझाया और अनुशासन, माता-पिता व गुरु के सम्मान का संदेश दिया। उनके साथ डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन विभा गुप्ता, माइक्रो चेयरपर्सन सीमा गुप्ता, सचिव बरखा बैस, कोषाध्यक्ष ऋतु ठाकुर, पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मी चंद्राकर और विद्यालय की पूर्व प्राचार्य विजयलक्ष्मी ठाकुर ने भी बच्चों से संवाद कर उनका उत्साह बढ़ाया। प्राचार्य संध्या साहू ने इस प्रयास को सराहनीय बताते हुए कहा कि ऐसे सहयोग से बच्चों का मनोबल बढ़ता है और शिक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल बनता है। पिछले दो-तीन वर्षों से आकांक्षा मिश्रा के नेतृत्व में लीनेस क्लब शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण और जरूरतमंदों की सहायता में लगातार सक्रिय है। यह क्लब केवल कार्यक्रम नहीं करता, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक संवेदना पहुंचाने का काम करता है। ऐसे निस्वार्थ सेवा कार्यों को देखकर एक प्रश्न मन में उठता है कि शासन-प्रशासन का ध्यान इन सेवा-समर्पित व्यक्तित्वों की ओर पर्याप्त रूप से क्यों नहीं जाता। जो लोग बिना किसी स्वार्थ के शिक्षा और मानवता के लिए काम कर रहे हैं, उन्हें सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया जाना चाहिए। प्रशस्ति-पत्र, स्मृति-चिन्ह या नागरिक सम्मान केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं होगा, बल्कि समाज में सेवा की भावना को बढ़ावा देगा। समाज की भी यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वह अपने आसपास सेवा करने वालों को पहचाने और उनके कार्यों को आगे लाए। जब हम अपने सच्चे सेवकों का सम्मान करते हैं, तो नई पीढ़ी के मन में भी सेवा, सहयोग और राष्ट्रप्रेम का दीप जलता है। लीनेस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी का यह अभियान संदेश देता है कि मंदिर में दीप जलाना ही पूजा नहीं है। असली पूजा तब है जब हम किसी जरूरतमंद के जीवन में शिक्षा, आशा और आत्मविश्वास का दीप जलाएं। ऐसे ही प्रयासों से एक सशक्त, संवेदनशील और आदर्श राष्ट्र का निर्माण होता है।

केसीजी पुलिस ने शहीद आरक्षक निकेश यादव को शहादत दिवस पर किया नमन

खैरागढ़। जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (केसीजी) पुलिस द्वारा रविवार 12 जुलाई को शहीद आरक्षक निकेश यादव की शहादत को याद करते हुए श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दाऊ चौरा, खैरागढ़ स्थित शहीद आरक्षक निकेश यादव की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। पुलिस अधिकारियों और कमर्चारियों ने उनके अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति को नमन किया। थाना खैरागढ़ कैंपस में शहीद की स्मृति में वृक्षारोपण भी किया गया। अधिकारियों और जवानों ने पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया और पर्यावरण संरक्षण के साथ शहीदों की स्मृतियों को चिरस्थायी रखने का संदेश दिया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक लक्ष्य शर्मा (क्ढर) ने शहीद के परिजनों को शाल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने परिवार से आत्मीय मुलाकात कर कुशलक्षेम जाना और आश्वस्त किया कि केसीजी पुलिस शहीद परिवार के साथ सदैव खड़ी है तथा हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, पुलिस अधिकारी-कमर्चारी, शहीद परिवार के सदस्य और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में सभी ने राष्ट्र एवं समाज की सेवा, कर्तव्यनिष्ठा और जनसुरक्षा के प्रति सदैव समर्पित रहने की शपथ ली।

नकटी के सवाल और सरकार

दिवाकर मुक्तिबोध

राजधानी से सटे नकटी गांव की घटना से सांसद बृजमोहन अग्रवाल को इस बात का मलाल रहेगा कि इस गांव के 85 परिवारों को दिये गए आश्वासन को वे पूरा नहीं कर सके. 29 जून को नकटी में बरसों से आबाद उन गरीब परिवारों के घरों को सरकारी जमीन पर अवैध बसाहट के नाम पर उजाड दिया गया जिनसे रायपुर के सांसद ने न्यायसंगत रास्ता निकालने का वायदा किया था.

लेकिन पार्टी के इस वरिष्ठ व जनप्रिय नेता द्वारा मुख्य मंत्री को लिखे गए पत्र की भी परवाह न करते हुए सरकार ने अपनी ज़िद पूरी कर ली. नागरिक सुविधाओं से लैस बस्ती के घरों को सरकारी आदेश के तहत बुलडोजरों से ध्वस्त कर दिया गया. बताया गया कि अवैध कब्जाधारियों से रिक्त की गई जमीन पर विधायकों व सांसदों के लिए बंगले बनाए जाएंगे. लेकिन अब कहा जा रहा है कि रायपुर विकास प्राधिकरण का यहां विधायक बंगले बनाने का कोई इरादा नहीं है और न ही ऐसा कोई प्रस्ताव है.

दरअसल कथित अवैध कब्जे हटाने एवं बंगले बनाने के मामले में सरकार के दो विभाग आवास एवं पर्यावरण तथा रायपुर विकास प्राधिकरण के परस्पर विरोधाभासी बयान है. राजस्व विभाग के दस्तावेज भी अलग कहानी कहते हैं. जब ऐसी स्थिति हो तो जाहिर है राजनीति को अपने पैर पसारने का मौका मिलता ही है. सो नकटी के मुद्दे पर राजनीति शुरू हो गई है. लोकतंत्रिक शासन में प्रशासनिक निणर्यों की वैधता केवल कानूनी आधार से नहीं बल्कि उनकी नैतिक स्वीकायर्ता और संस्थागत पारदशिर्ता से भी निर्धारित होती है.

घरों पर बुलडोजर चलने के बाद पीड़ित परिवार के लोग आंदोलित है. इसमें उन्हें कांग्रेस का साथ मिला है. विपक्ष के तीखे प्रहार के बाद सरकार को इस विषय पर पुनविर्चार करना पड़ रहा है. संभव है विधायक आवास गृह के लिए अन्यत्र जमीन तलाश ली जाए तथा रिक्त की गई भूभि का उपयोग अन्य निर्माण के लिए हो. अगर ऐसा है तो भरी बरसात में 85 परिवारों के घरों पर बुलडोजर चलाने का क्या औचित्य था ? अत्यंत अमानवीय एवं क्रूरतापूर्ण कृत्य क्यों किया गया ? ऐसा वहीं सरकार कर सकती है जिसका अपने नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता से कोई लेना-देना नहीं है.

विष्णुदेव साय सरकार चाहती तो नकटी का हल आसानी से निकाला जा सकता था. गांव के लोगों की सुविधानुसार , उनकी सहमति से अन्यत्र जमीन का चयन किया जाता तथा उन्हें एक जैसे पक्के मकान बनाकर दिए जाते. लेकिन यह सरकार के अहम्-का प्रश्न था जिसकी संतुष्टि गरीबों के घरों पर बुलडोजर चलाकर हुई.

नकटी प्रकरण ने भारतीय जनता पार्टी के अंतविरीध को भी उजागर कर दिया है. यह स्पष्ट हो गया सांसद बृजमोहन अग्रवाल के प्रति साय सरकार का रूख मित्रतापूर्ण नहीं है. उनकी लोकप्रियता व राजनीतिक कुशलता काफी समय से भाजपा संगठन के एक धड़े को रास नहीं आ रही है जबकि रमन सिंह के कायर्काल में ट्रबल शूटर कहे जाने वाले सांसद बृजमोहन विपक्षी हमलों के समय साय सरकार के लिए ढाल का काम कर सकते थे बशर्ते उनके तथा सरकार के बीच बेहतर तालमेल बना रहता. तब सरकार की वैसी छीछालेदर नहीं होती जैसी पूर्व की अनेक गंभीर घटनाओं और अब नकटी मामले में हो रही है.

लेकिन केन्द्रीय नेतृत्व ने साय को मुख्य मंत्री बनाने के साथ ही तय कर लिया था कि बृजमोहन को प्रदेश की राजनीति से बाहर रखा जाएगा ताकि मुख्य मंत्री विष्णुदेव साय को स्वच्छंद होकर अपनी प्रशासनिक क्षमता तथा राजनीतिक सूझ-बूझ को साबित करने का अवसर मिल सके.

किंतु विष्णुदेव साय ऐसे राजनेता हैं जो चाहकर भी स्वविवेक से फैसले नहीं ले सकते. एक तो केन्द्रीय नेतृत्व का दबाव व उसका हस्तक्षेप तथा दूसरे ओपी चौधरी व कुछ अन्य मंत्रियों पर दिल्ली की कृपादृष्टि. दरअसल मुख्य मंत्री साय संगठन के कुछ नेताओं, कुछ नौकरशाहों तथा कुछ मंत्रियों के प्रभाव व दबाव में है जिनमें आवास व पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी का नाम विशेष रूप से लिया जाता है.

कॉकस से घिरे विष्णुदेव साय प्रारंभ से ही नाममात्र के मुख्य मंत्री कहे जाते रहे हैं. दीर्घ राजनीतिक अनुभव, केन्द्रीय मंत्री व दो बार प्रदेश अध्यक्ष रहने के बावजूद मुख्य मंत्री के रूप में उनकी स्वतंत्र व प्रभावी छवि नहीं बन पा रही है. दलगत राजनीति व नौकरशाही के दबाव को ढोते-ढोते उनके कायर्काल के ढाई वर्ष बीत चुके हैं. नकटी मामले में वे चाहते तो दमखम के साथ फरमान जारी कर सकते थे. कह सकते थे कि नकटी के प्रभावित परिवारों को उनके सुझाए इलाके में बेहतर आवास की व्यवस्था होने के बाद ही उनसे जमीन खाली कराई जाएगी. इसके बाद ही वहां विधायकों के बंगले बनाए जाएंगे. सरकार प्रमुख होने के नाते वे ऐसा कर सकते थे. इससे एक मिसाल कायम होती तथा पार्टी सांसद बृजमोहन अग्रवाल के मान-सम्मान की भी रक्षा हो जाती. किंतु अवसर गरीबों के प्रति संवेदनशीलता दिखाने का नहीं भाजपा की अंदरूनी राजनीति में शह और मात का था जिसकी बिसात पर एक तरफ बृजमोहन तो दूसरी ओर मुख्य मंत्री साय व आवास मंत्री ओपी चौधरी थे और उनके बीच ज़िद का टकराव था. जब शासन की प्राथमिकताएं जन कल्याण के स्थान पर अंतदर्लीय शक्ति संतुलन से संचालित होने लगती है तब नीति और राजनीति के बीच का संतुलन कमजोर पड़ जाता है.

उनकी इसी ज़िद की खबर लेते हुए पूर्व मुख्य मंत्री भूपेश बघेल ने कहा – ' यदि नकटी के लोग बृजमोहन के से फरियाद करने के बजाए ओपी चौधरी से मिलते तो उनके घर नहीं टूटते. वे बृजमोहन से मिले, यही उनसे गलती हो गई.' भूपेश बघेल का कटाक्ष भले ही राजनीति प्रेरित हो, पर इससे भाजपा सरकार व संगठन के बीच सब कुछ ठीक न चलने का संकेत जरूर मिलता है. बहरहाल इस मुद्दे पर कांग्रेस को 13 जुलाई से प्रारंभ होने वाले विधान सभा सत्र में सरकार को घेरने का एक अच्छा अवसर मिल गया है.

वैसे नकटी की घटना एकमात्र घटना नहीं है जिसमें विष्णुदेव साय सरकार की आलोचना हुई हो. सरकार के पिछले ढाई वर्षों में अनेक ऐसे मामले सामने आए जिनसे उसकी छवि मलिन हुई. हाल ही में बैकुंठपुर प्रकरण ने तो सरकार व संगठन की नींद उड़ा दी. वर्चस्व की लड़ाई में रेत माफिया के बीच खूनी लडाई, हत्याएं व इस कारोबार में कुछ मंत्रियों, अधिकारियों व भाजपा नेताओं की कथित संलिप्तता के आरोपों के संदर्भ में सरकार को अंततः मामला सीबीआई को सौंपना पड़ा है.

जहां तक नकटी मामले पर बृजमोहन अग्रवाल के रूख का प्रश्न है , वे जनता की लड़ाई लड़ते रहे हैं. वे रायपुर लोकसभा से संसद के लिए निर्वाचित है और एक जनप्रतिनिधि के रूप में अपनी जिम्मेदारी को बेहतर समझते हैं एवं उसे निभाते भी हैं. इसीलिए एक तरह से उन्होंने नकटी वालों को अभयदान दे रखा था कि जब तक उनके व्यवस्थापन की उचित व्यवस्था नहीं हो जाती तब तक वे उन्हें घरों से बेदखल नहीं होने देंगे. इस संदर्भ में वे निरंतर गांव के लोगों तथा अधिकारियों के सम्पर्क में रहे. लेकिन उनकी नहीं सुनी गई. इससे उनका आहत होना स्वाभाविक है. फिर भी बेदखली के बाद उन्होंने राज्य सरकार को नहीं अधिकारियों को फटकारा जबकि वे अच्छी तरह जानते थे कि सरकार के आदेश के बिना तोड़फोड़ की कारर्वाई नहीं की जा सकती थी.

इसका मतलब है भाजपा का यह वरिष्ठ नेता और सांसद अपनी पार्टी की सरकार से सीधा पंगा लेने से बचना चाहता हैं क्योंकि आखिरकार यह दलीय अनुशासन व प्रदेश की राजनीति में अपनी अहमियत को कायम रखने का प्रश्न है. इसीलिए अब तक शासन-प्रशासन से जुड़े विभिन्न मामलों में उनकी टिप्पणियां संयमित रही हैं. सीधे सरकार पर उनके आरोप नहीं है. हालांकि उनका मानना था कि नकटी की घटना से पार्टी की साख गिरी है.

इसमें दो राय नहीं कि रायपुर लोकसभा सदस्य के रूप में बृजमोहन अपने क्षेत्र में जितने सक्रिय है छत्तीसगढ़ में शायद ही कोई और सांसद होगा. वे निरंतर पार्टी कार्यकर्ताओं व आम लोगों के सम्पर्क में रहते हैं और अपने स्तर पर उनकी समस्याएं सुलझाने का प्रयत्न करते हैं. चूंकि वे लोकप्रिय हैं, उनकी अपनी राजनीतिक जमीन है, लंबा संसदीय अनुभव भी है तथा कर्मठ होने के साथ ही पार्टी के प्रति निष्ठावान है इसलिए पार्टी चाहकर भी उन्हें प्रदेश की राजनीति से बाहर नहीं कर पा रही है. पार्टी संगठन में वे एक बड़े समूह का प्रतिनिधित्व करते हैं जो बहुत ताकतवर माना जाता है.

सरकार की चाल-ढाल पर टिप्पणियां करने वाले वे अकेले नेता नहीं है. भाजपा की असंतुष्ट लॉबी विधान सभा के बीते सत्रों में अपने सवालों से मंत्रियों को असहज करती रही है. 13 जुलाई से प्रारंभ होने वाले पावस सत्र में नकटी प्रकरण में सरकार को घेरने का मौका कांग्रेस को तो है ही पर यह देखना भी दिलचस्प रहेगा कि अजय चंद्राकर, धरम लाल कौशिक सरीखे अन्य वरिष्ठ असंतुष्ट विधायकों की बैकुंठपुर व नकटी जैसे संगीन मामलों में भूमिका कैसी रहेगी. यह प्रकरण अंततः इस व्यापक प्रश्न को भी सामने लाता है कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता की आंतरिक प्रतिस्पर्धा और नागरिक हितों के बीच संतुलन किस प्रकार स्थापित किया जाए.

विश्व मंच पर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक छाप

रायपुर

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को विश्व मंच पर नई पहचान मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन को छत्तीसगढ़ के बस्तर की विश्वविख्यात ढोकरा "ट्री ऑफ लाइफ" धातु शिल्पकृति भेंट की।

प्रधानमंत्री की इस कूटनीतिक सौगात ने बस्तर की हजारों वर्ष पुरानी जनजातीय कला को वैश्विक मंच दिलाया है। साथ ही छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक समृद्धि, पारंपरिक शिल्प कौशल और आदिवासी विरासत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई प्रतिष्ठा प्रदान की है।

छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का क्षण

यह अवसर पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। विदेशी राष्ट्राध्यक्ष को भेंट के लिए बस्तर की ढोकरा शिल्पकृति का चयन इस बात का प्रमाण है कि राज्य की लोककला आज विश्व स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बना चुकी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय संस्कृति, लोककलाओं और पारंपरिक शिल्पों के संरक्षण-संवर्धन के लिए निरंतर काम कर रही है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कलाकारों और शिल्पकारों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसका परिणाम है कि आज बस्तर की ढोकरा कला वैश्विक कूटनीतिक उपहार का हिस्सा बनकर प्रदेश का गौरव बढ़ा रही है। संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में संस्कृति विभाग भी लोककला और जनजातीय परंपराओं को नई पीढ़ी से जोड़ने तथा उन्हें राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में प्रयासरत है।

क्या है बस्तर की ढोकरा कला

बस्तर की ढोकरा कला विश्व की सबसे प्राचीन धातु शिल्प परंपराओं में से एक है। इसका निर्माण लॉस्ट वैक्स कास्टिंग यानी मोम सांचा ढलाई तकनीक से किया जाता है। कुशल जनजातीय शिल्पकार प्रत्येक कलाकृति को हाथ से तैयार करते हैं, इसलिए हर शिल्प अद्वितीय होता है। यह परंपरा पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होते हुए बस्तर की सांस्कृतिक आत्मा का जीवंत स्वरूप है। प्रधानमंत्री द्वारा भेंट की गई "ट्री ऑफ लाइफ" यानी जीवन वृक्ष शिल्पकृति केवल कलात्मक वस्तु नहीं है। यह भारतीय दर्शन में कल्पवृक्ष की अवधारणा और प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का प्रतीक है। यह परस्पर जुड़ाव, नवजीवन, समृद्धि और मानव-प्रकृति के बीच संतुलन का संदेश देती है। यह न्यूजीलैंड के माओरी समुदाय की "व्हाकापापा" अवधारणा से भी सामंजस्य रखती है, जो जीवन, प्रकृति और वंश परंपरा के गहरे संबंध को दर्शाती है।

आजीविका व पहचान को मिलेगा बल

बस्तर की ढोकरा कला जनजातीय संस्कृति, प्रकृति के प्रति सम्मान और सतत जीवनशैली की अभिव्यक्ति है। यह स्थानीय शिल्पकारों की आजीविका को सशक्त बनाने के साथ पर्यावरण-अनुकूल हस्तनिर्मित उत्पादों की परंपरा को भी आगे बढ़ाती है। प्रधानमंत्री द्वारा इस शिल्प को अंतरराष्ट्रीय उपहार के रूप में चुने जाने से राज्य के जनजातीय कलाकारों का उत्साह बढ़ेगा। स्थानीय हस्तशिल्प को नए बाजार मिलेंगे और छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला-संस्कृति को विश्वभर में नई पहचान प्राप्त होगी। आज बस्तर की ढोकरा "ट्री ऑफ लाइफ" शिल्पकृति केवल एक उपहार नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक अस्मिता और जनजातीय गौरव का वैश्विक दूत बन गई है।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत छुईखदान में हुआ वृक्षारोपण

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता के उद्देश्य से जनपद पंचायत छुईखदान में "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह रहे। अध्यक्षता जिला पंचायत सभापति ललित चोपड़ा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद प्रतिनिधि प्रेमनारायण चन्द्राकर और जनपद पंचायत अध्यक्ष पुष्पा प्रकाश वर्मा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा पौधारोपण कर की गई।

समन्वय और पारदशिर्ता से करें काम

संबोधित करते हुए विक्रांत सिंह ने कहा कि "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान न केवल हरियाली बढ़ाने में सहायक है, बल्कि लोगों को भावनात्मक रूप से प्रकृति से भी जोड़ता है। उन्होंने कहा कि जनपद पंचायत विकास की आधारशिला है और इसके अंतर्गत आने वाले गांवों का विकास ही नए जिले के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।

उन्होंने कहा कि जनपद पंचायत से ही केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है, इसलिए कार्यालय का वातावरण सकारात्मक और अनुशासित होना चाहिए। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। कार्यों को पारदशिर्ता और समयबद्धता के साथ पूरा किया जाए। कार्य के प्रति संवेदनशीलता, सकारात्मक सोच और अनुशासन अपनाकर पारिवारिक भावना के साथ दायित्व निभाएं।

पर्यावरण रक्षा सामूहिक जिम्मेदारी

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ललित चोपड़ा ने कहा कि वृक्षारोपण जैसे आयोजन आज के समय में अत्यंत आवश्यक हैं। पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के अंत में जनपद पंचायत सीईओ केशवरी देवांगन ने सभी अतिथियों और उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान जनपद पंचायत उपाध्यक्ष राजू जंघेल, अग्राहीत नेताम, राजिम मुकेश जंघेल, सुमरित जंघेल, उत्तम जंघेल, मंगल नेताम, ज्योति जंघेल, गजेंद्र पटेल, रेखचंद जंघेल, पारस ठाकरे, मनोज चतुर्वेदी, ओमलाल साहू, राजकुमार जंघेल, दिवाकर सोनी, ललित सोनी, लेखराम साहू सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कमर्चारी उपस्थित थे।

बारिश की पहली मुस्कान

बारिश की पहली मुस्कान,
कहती है जीवन की दास्तान ।
हर सूखी राह एक दिन महकती है, हर बुरे दिन पलटते हैं। जीवन की इस राह को महकाते चलो, अपनी मुस्कान बिखेरते चलो। क्या जाने किस राह को मंज़िल मिल जाए, एक रोशनी बनकर रहो । हर गम में भी सब्र रखो, हर अंधियारे में सहारा बनो। कभी न छुपे तुम्हारी पहचान,
बनकर मिसाल फैलाओ ज्ञान ।
हर बारिश बिखेरती मुस्कान,
खेतों में लाती है जान।
महकती धरती, झूमे आसमान;
कहता बादल, "मैं कुछ दिन का मेहमान।"

डॉ. (श्रीमती) गीता जुन्जानी
हेडमिस्ट्रेस, जूनियर विंग
दिल्ली पब्लिक स्कूल, भिलाई

अचानक रुक जाए आपके एटीएम का ट्रांजेक्शन और कट जाएं पैसे तो क्या करें?

एटीएम से पैसे निकालते समय कई बार ऐसी स्थिति बन जाती है कि मशीन से कैश बाहर नहीं आती, लेकिन आपके मोबाइल पर पैसे कटने का मैसेज आ जाता है। कभी-कभी टेक्नोलॉजी की खराबी या लाइट जाने की वजह से होने वाली यह समस्या किसी को भी स्ट्रेस में डाल सकती है। ऐसी स्थिति में घबराने के बजाय अगर आप सही कदम उठाएं, तो आपका पैसा सुरक्षित वापस मिल सकता है। ऐसे में इसके बारे में पता होना जरूरी है। आज का हमारा लेख इसी विषय पर है। आजम हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि एटीएम ट्रांजेक्शन फेल होने पर आपको क्या करना चाहिए।

तुरंत ट्रांजेक्शन आईडी नोट करें

जैसे ही ट्रांजेक्शन फेल हो, एटीएम से निकलने वाली 'फेल्ड ट्रांजेक्शन' रसीद को संभाल कर रख लें। अगर रसीद नहीं निकली है, तो अपने मोबाइल पर आए मैसेज का स्क्रीनशॉट ले लें। इसमें मौजूद ट्रांजेक्शन आईडी, समय और एटीएम की लोकेशन शिकायत दर्ज कराते समय बहुत काम आती है।

24 घंटे के अंदर पैसे वापस

अक्सर बैंक का सर्वर ट्रांजेक्शन को ट्रैक कर लेता है और कटा हुआ पैसा 24 घंटे के अंदर अपने आप आपके अकाउंट में वापस क्रेडिट हो जाता है। यदि सर्वर में कोई मामूली टेक्नोलॉजी खराबी है, तो यह 'ऑटो-रिवर्सल' प्रोसेस सबसे आम सॉल्यूशन है।

कस्टमर केयर या होम ब्रांच में शिकायत करें

बता दें, अगर 24 घंटे बाद भी पैसा वापस नहीं आता है, तो बिना देरी किए अपने बैंक के कस्टमर केयर नंबर पर कॉल करें। आप बैंक की वेबसाइट या ऐप के जरिए भी ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा सकती हैं। इसके अलावा, अपनी नजदीकी होम ब्रांच में जाकर शिकायत देना सबसे अच्छा तरीका साबित हो सकता है। शिकायत दर्ज करने के बाद कंप्लेंट नंबर लेना न भूलें।

आरबीआई का क्या है नियम?

भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार, ट्रांजेक्शन फेल होने के मामले में बैंक को 5 दिनों के अंदर पैसा वापस करना जरूरी है। यानि ट्रांजेक्शन के दिन के बाद 5 वर्किंग डे के अंदर आ जाएंगे।

देरी होने पर मिलेगा हर्जाना

आरबीआई का एक नियम यह भी है कि यदि बैंक शिकायत के 5 दिनों के अंदर पैसा वापस नहीं करता है, तो उसे ग्राहक को 100 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से हर्जाना देना होगा।

आखिर क्यों बार-बार पार्टनर को माफ कर देती हैं महिलाएं?

रिलेशनशिप को देखने और उसे निभाने का तरीका महिलाओं और पुरुषों के लिए बहुत अलग होता है। महिलाओं के विषय में अक्सर ये देखा जाता है कि वो बार-बार अपने पार्टनर को माफ करके उन्हें रिश्ते में दूसरा मौका दे देती हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों होता है?

'उसने कहा है वो दोबारा ऐसा नहीं करेगा...इसलिए मैंने उसे एक और मौका दे दिया।' आपने अक्सर अपनी सहेलियों या जान-पहचान की महिलाओं को उनके पार्टनर के साथ ऐसा करते देखा होगा या हो सकता है आपने खुद भी कभी अपने रिश्ते में ऐसा किया हो। बेशक, किसी भी रिश्ते में उतार-चढ़ाव आते हैं और रिश्ते को निभाने के लिए माफ करना और माफी मांग लेना दोनों ही जरूरी होता है, बशर्ते ये दोनों तरफ से हो। अक्सर महिलाएं अपने पार्टनर को बार-बार माफ कर देती हैं और हर गलती के बाद रिश्ते में एक और मौका दे देती हैं। कई बार तो उन गलतियों के लिए भी अपने पार्टनर को माफ कर देती हैं, जिनके लिए शायद माफ नहीं भी करना चाहिए। इसके पीछे क्या वजह होती है, आखिर क्यों महिलाएं हर बार ये सोच लेती हैं कि इस बार माफ कर देती हूं, इस बार तो सब ठीक हो ही जाएगा।

आखिर क्यों पार्टनर को बार-बार माफ कर देती हैं महिलाएं?

इसके बहुत सारे फैक्टर्स हो सकते हैं। सिर्फ शादी के बाद ही नहीं, बल्कि अगर कोई महिला किसी पुरुष के साथ रिलेशन में भी है, तो भी वो अक्सर उसकी गलतियों को माफ करके रिश्ते को एक और मौका देने की कोशिश करती है। असल में महिलाएं रिश्ता तोड़ने से ज्यादा उसे बचाने और निभाने में विश्वास रखती हैं। जब महिलाएं प्यार में होती हैं, तो वो भरोसा भी आसानी से कर लेती हैं। ऐसे में जब उनका पार्टनर कहता है कि वो दोबारा ऐसा नहीं करेगा, तो उन्हें लगता है कि वो सच कह रहा है और वो सोचती हैं कि इस बार सब ठीक हो जाएगा। यही विचार मन में रखकर वो पार्टनर को माफ कर देती हैं। इस बारे में हमने रिलेशनशिप एक्सपर्ट ने कहा, 'जब महिलाएं किसी रिश्ते में होती हैं, तो कई बार वो मेंटली और इमोशनली अपने पार्टनर पर निर्भर हो जाती हैं और उन्हें लगता है कि वो उसके बिना नहीं रह पाएंगी। ऐसे में वो रिश्ता तोड़ने से बेहतर पार्टनर को माफ कर देना समझती हैं।'

शादी के बाद हो सकते हैं ये कारण

शादी के बाद पति को माफ करने के पीछे इमोशनल कारणों के अलावा समाज के तानों का डर, मायके वापस लौटने में झिझक या बच्चों की फिक्र समेत कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं जिसके चलते महिलाएं अपने पति को माफ करके रिश्ते को बचाने की कोशिश करती हैं।

कब रुकना है जरूरी?

जैसा हमने शुरुआत में कहा था कि किसी भी रिश्ते में माफी मांग लेना और माफ कर देना दोनों जरूरी होता है, लेकिन आपके लिए बाउंड्रीज सेट करना भी बहुत जरूरी है। बार-बार माफ करके आप पार्टनर के मन में यह फीलिंग पैदा कर देती हैं कि वो चाहें कुछ भी कर लें, आप उन्हें छोड़कर नहीं जाएंगी। ऐसे में वो रिश्ते को निभाने की कोशिश भी नहीं करते और उन्हें लगता कि उनके पास कोई भी गलती करने का लाइसेंस है इसलिए जरूरी है कि आप ये तय करें और इस बात पर अडिग रहें कि आपको किन बातों को माफ करना है और किन बातों को नहीं। याद रखें कोई भी रिश्ता, आत्म-सम्मान से बड़ा नहीं होता है।

हर मौके पर फिट बैठेंगे ये को-ऑर्ड सेट

हर खास मौके पर स्टाइलिश लुक पाने के लिए अधिकतर महिलाएं आउटफिट में क्या पहनें इस बात को लेकर हमेशा कंफ्यूज रहती हैं। अगर आप भी उन्हीं महिलाओं में से एक हैं और किसी भी खास मौके पर पहनने के लिए आउटफिट सिलेक्ट नहीं कर पाती हैं, तो यह खबर आपके लिए बेस्ट हो सकती है। आज हम आपको इस खबर के जरिए कुछ लेटेस्ट को ऑर्ड सेट डिजाइंस बताएंगे, जो हर फेस्टिवल या फंक्शन पर पहनने के लिए बेस्ट हो सकते हैं।

फ्लावर एंड लीफ प्रिंट को ऑर्ड सेट

अगर आप भी किसी खास त्योहार पर अपनी खूबसूरती को बढ़ाना चाहती हैं और भीड़ से हटकर लुक पाना चाहती हैं, तो फेस्टिवल पर पहनने के लिए आप यह फ्लावर एंड लीफ प्रिंट को ऑर्ड सेट चुन सकती हैं। यह आपके लिए बेस्ट हो सकता है। इस तरह के सेट को आप नजदीकी बाजार में किसी भी कपड़े की दुकान से खरीद कर शामिल कर सकती हैं।

मंदारिन नेक फ्लोरल प्रिंट वेस्टर्न को ऑर्ड सेट

आपके लिए इस तरह का खूबसूरत मंदारिन नेक फ्लोरल प्रिंट वेस्टर्न को ऑर्ड सेट भी सही रहेगा, जिसे आप किसी भी खास फंक्शन के दौरान पहनकर अपनी खूबसूरती को दोगुना कर सकती हैं। ऐसे को ऑर्ड सेट के डिजाइन इन दिनों काफी ट्रेंड में है, जो अधिकतर महिलाओं की पहली पसंद बने हुए हैं। ऐसे में यह आपके लिए भी परफेक्ट रहेंगे।

व्हाइट फ्लोरल प्रिंट एम्ब्रॉयडरी को ऑर्ड सेट

अगर आप अपने ऑफिस में हो रहे किसी खास इवेंट में शामिल होने वाली हैं, लेकिन आउटफिट को लेकर परेशान हैं, तो अब आप अपने बजट के अंदर इस तरह के खूबसूरत व्हाइट फ्लोरल प्रिंट एम्ब्रॉयडरी को ऑर्ड सेट को भी शामिल कर अपनी खूबसूरती में चार चांद लगा सकती हैं। ऐसे को ऑर्ड सेट के डिजाइंस आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देंगे और आपको रॉयल लुक देने में भी मदद करेंगे।

एथनिक प्रिंटेड को-ऑर्ड सेट

आपके लिए इस तरह के एथनिक प्रिंटेड को-ऑर्ड सेट भी परफेक्ट रहेंगे, जिसे आप किसी भी खास फेस्टिवल या फंक्शन के दौरान पहनकर अपने लुक को अट्रैक्टिव और गॉर्जियस बना सकती हैं। इस तरह के को ऑर्ड सेट को आप ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट पर अपनी साइज और पसंद के कलर के हिसाब से खरीद सकती हैं। इसके साथ आप कुछ एक्सेसरीज शामिल कर अपने लुक को पूरा कर सकती हैं।

हॉटर नेक प्लेन को-ऑर्ड सेट

अगर आप लेटेस्ट को ऑर्ड सेट की तलाश में है, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। अपके लिए यह हॉटर नेक प्लेन को-ऑर्ड सेट भी बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। इसे भी आप ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट से या नजदीकी बाजार में कपड़े की दुकान से खरीद कर शामिल कर सकती हैं, जो आपकी खूबसूरती को और ज्यादा बढ़ा देगा। इसके साथ आप स्टाइलिश फुटवियर शामिल कर अपने लुक को पूरा कर सकती हैं।

क्या आप भी कर रही हैं ये 4 फाइनेंशियल गलतियां

एक मिडिल क्लास परिवार का व्यक्ति अपनी पूरी जिंदगी कड़ी मेहनत करता है ताकि वह सुख-सुविधाओं के साथ रह सके, लेकिन अक्सर देखा गया है कि सालों की नौकरी और अच्छी सैलरी के बाद भी बैंक बैलेंस खाली रहता है। इसका कारण किस्मत नहीं, बल्कि हमारी खर्च करने की आदतें हैं। अमीर दिखने की चाहत में हम अक्सर ऐसे जाल में फंस जाते हैं, जो हमें कभी अमीर बनने ही नहीं देते। ऐसे में इन आदतों के बारे में पता होना जरूरी है। आज का हमारा लेख इसी विषय पर है। आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि फाइनेंशियल गलतियां कौन-सी है, जो आपको बढ़ने नहीं देती हैं।

बार-बार कार बदलना

मिडिल क्लास की एक और बड़ी गलती है गाड़ी को जरूरत नहीं, बल्कि शौक के तौर पर देखना। जैसे ही सैलरी बढ़ती है या थोड़ा बोनस मिलता है, लोग अपनी पुरानी कार बेचकर बड़ी ईएमआई पर नई लग्जरी कार ले लेते हैं। बता दें कि कार एक डेप्रिसिएटिंग एसेट के रूप में देखा जाता है। शोरूम से बाहर निकलते ही इसकी कीमत 20-30% कम हो जाती है। ऐसे में आप नुकसान में रहते हैं।

अभी खरीदो, बाद में चुकाओ

आजकल हर चीज किस्तों पर मिलती है, फ्रिज, टीवी से लेकर छुट्टियों तक। मिडिल क्लास व्यक्ति को लगता है कि छोटे-छोटे मासिक भुगतान उसे भारी नहीं पड़ेंगे। बता दें कि जब आप क्रेडिट कार्ड या ईएमआई पर सामान लेते हैं, तो आप अपनी जमा पूंजी को पहले ही खर्च कर चुके होते हैं। ऐसे में इंटरेस्ट और प्रोसेसिंग फीस धीरे-धीरे आपकी बचत को खत्म कर देती हैं।

इमरजेंसी फंड की कमी

मिडिल क्लास परिवार अक्सर अपनी पूरी कमाई को खर्चों और ईएमआई में बांट देते हैं। वे अचानक आने वाली बीमारी, नौकरी छूटने या बड़े काम के लिए अलग से फंड नहीं रखते। बता दें कि खराब स्थिति में उन्हें ऊंचे ब्याज पर पर्सनल लोन या गोल्ड लोन लेना पड़ता है, जो उन्हें सालों पीछे ले जाता है।

हर साल नया आईफोन लेना

आजकल फोन केवल बात करने के लिए इस्तेमाल नहीं होता, बल्कि ये एक स्टेटस सिंबल भी बन गया है। कई लोग अपना पुराना और ठीक-ठाक चलने वाला फोन बेचकर सिर्फ इसलिए नया आईफोन ले लेते हैं क्योंकि वह ट्रेंड में है। बता दें कि गैजेट्स की कीमत हर दिन घटती है। 1 लाख का फोन एक साल बाद आधे दाम का रह जाता है। यह पैसा अगर कहीं निवेश किया जाता, तो वह बढ़ता, लेकिन फोन पर खर्च होकर जीरो हो जाता है।

म्यूजिकल लव स्टोरी में नजर आएंगे आदित्य रॉय कपूर

फिल्म निर्माता भूषण कुमार और आदित्य रॉय कपूर एक बार फिर साथ आ रहे हैं। इससे पहले दोनों 'आशिकी 2' और 'मलंग' जैसी हिट फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। अब दोनों साथ में एक म्यूजिकल लव स्टोरी लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन मिलाप जावेरी करेंगे।

कैसा होगा आदित्य का किरदार?

आईएएनएस के अनुसार, मिलाप जावेरी और आदित्य रॉय कपूर एक म्यूजिकल लव स्टोरी लेकर आ रहे हैं। मिलाप जावेरी ने कहा कि आदित्य में प्यार और दर्द को पर्दे पर दिखाने का एक अनोखा टैलेंट है। इस फिल्म में उनका किरदार काफी गहरा और दमदार होगा, जिसे दर्शक बेहद पसंद करेंगे।

धमाकेदार एंटरटेनमेंट का वादा

'सत्यमेव जयते' और 'मरजावां' जैसी फिल्मों के लिए प्रसिद्ध मिलाप जावेरी ने बताया कि इस आगामी म्यूजिकल ड्रामा लव स्टोरी में दर्शकों को जबरदस्त एक्शन, बेहतरीन डायलॉग और रोमांस दिल को छू लेगा। बहरहाल, फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। इसकी शूटिंग इसी साल 2026 के आखिर में शुरू होगी और यह फिल्म 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

आदित्य रॉय कपूर का करियर

आदित्य रॉय कपूर ने एक लोकप्रिय चैनल पर एक वीडियो जॉकी के रूप में शुरू किया था। उन्होंने 2009 में फिल्मों में कदम रखा और 2019 की ब्लॉकबस्टर 'आशिकी 2' ने उन्हें रातोंरात एक रोमांटिक स्टार बना दिया। इसके बाद उन्होंने 'यह जवानी है दीवानी' और 'मलंग' जैसी सफल फिल्मों में काम किया है। अब वह मिलाप जावेरी की म्यूजिकल लव स्टोरी में नजर आएंगे।

कृति सेनन अपने एग्स फ्रीज करवाए...

बताया क्यों उठाया यह कदम

कृति सेनन की उम्र इस वक्त 35 साल है। उनके कबीर बहिया के साथ रिलेशनशिप में होने की अटकलें भी लगती हैं। लेकिन शादी को लेकर कृति सेनन का अभी कोई प्लान नजर नहीं आता है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि लगभग 5 साल पहले ही अपने एग्स फ्रीज करवा लिए थे। उस वक्त एक खास वजह से उन्होंने यह फैसला लिया था।

कृति सेनन ने इस वजह से एग्स फ्रीज करवाए थे

कृति सेनन कहती हैं, 'मैं यह बात पहली बार बता रही हूं। मैंने अपने एग्स फ्रीज करवाए थे। मैंने बहुत समझदारी से यह काम उस समय किया, जब मुझे 'मिमी' फिल्म के लिए वजन बढ़ाना था। इससे शरीर में बदलाव आ रहे थे, मैं वजन बढ़ा ही रही थी। मैंने किसी से बात की थी, उन्होंने मुझे बताया कि अगर हो सके तो यह आपके लिए सबसे अच्छी बात है। यह खुद को दिया जा सकने वाला सबसे अच्छा तोहफा है। यह बात मेरे दिमाग में रह गई। फिर जब मुझे वजन बढ़ाने के लिए कहा गया, तो मुझे लगा कि यही सही समय है।' फिल्म 'मिमि' साल 2021 में रिलीज हुई थी यानी लगभग पांच साल पहले कृति सेनन ने अपने एग्स को फ्यूचर के लिए फ्रीज करवा दिया। बता दें कि एग फ्रीजिंग एक मेडिकल प्रक्रिया है जिसमें महिला के एग्स (अंडे) को जमा करके फ्रीज कर दिया जाता है। जब कभी फ्यूचर में उसे मां बनना होता है तो इन एग्स के जरिए वह अपने बयोलॉजिकल बच्चे पैदा कर सकती है।

रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चा में हैं एक्ट्रेस

कृति सेनन बिजनेसमैन कबीर बहिया को डेट कर रही हैं। दोनों कई बार साथ नजर आ चुके हैं। बीते दिनों इनके ब्रेकअप की अटकलें भी लग थीं। फिर यह कपल मुंबई के बांद्रा में डिनर डेट पर दिखाई दिया। पैपराजी से भी बचने की कोशिश कृति और कबीर ने नहीं की। एक वायरल वीडियो में दोनों मुस्कुरा रहे थे। एक ही गाड़ी में यह कपल घर की तरफ निकला। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इनके रिश्ते में कोई दूरी नहीं आई।

कृति सेनन करियर फ्रंट पर क्या रही हैं?

कृति सेनन की कुछ दिनों पहले ही फिल्म 'कॉकटेल 2' रिलीज हुई। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की है। इस फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना भी हैं। फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कृति आने वाली फिल्म 'डॉन 3' में भी नजर आ सकती हैं, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

पृथ्वीराज सुकुमारन की 'आई, नोबडी' का टीजर रिलीज, दमदार एक्शन और सस्पेंस की झलक

अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन की बहुप्रतीक्षित मलयालम फिल्म 'आई, नोबडी' का रिलीज टीजर जारी कर दिया गया है। फिल्म का टीजर एक्शन, सस्पेंस और दमदार संवादों से भरपूर है, जिसने दर्शकों के बीच उत्सुकता और बढ़ा दी है। पृथ्वीराज सुकुमारन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म का रिलीज टीजर साझा करते हुए लिखा, 'जो आने वाला है, उसके लिए कोई तैयार नहीं है। रिलीज टीजर अब आउट हो चुका है। अपने टिकट अभी बुक करें। 9 जुलाई से दुनियाभर के सिनेमाघरों में।' टीजर की शुरुआत एक वॉयसओवर से होती है, जिसमें राजीवन नाम के किरदार को 'फूड चेन' का उदाहरण देकर समाज की वास्तविकता समझाई जाती है। संवाद में कहा जाता है कि टिड्डा घास खाता है, उसे मेंढक खा जाता है, मेंढक को सांप और सांप को चील। लेकिन समाज में जीवित रहने के लिए सिर्फ घास खाना काफी नहीं, बल्कि टिड्डे को मेंढक को भी खाना सीखना होगा। आखिर में कहा जाता है कि यह फैसला आपको करना होगा कि आपको किसका सिर निगलना है।

इस वॉयसओवर के साथ फिल्म के कई तेज-तर्रार एक्शन दृश्य दिखाए गए हैं। टीजर के अंत में पुलिस पृथ्वीराज के दरवाजे पर पहुंचती है और उनसे पूछती है कि वह उनके फोन कॉल क्यों नहीं उठा रहे थे। फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से यू/ए सर्टिफिकेट मिल चुका है। यह फिल्म 9 जुलाई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का शुभारंभ पिछले वर्ष अप्रैल में केरल के एर्नाकुलम स्थित वेलिंगटन आइलैंड में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ था। निर्देशक निसाम बशीर की इस फिल्म की कहानी और पटकथा समीर अब्दुल ने लिखी है। फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ पार्वती तिरुवोथु और हकीम शहजहान भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म का निर्माण सुप्रिया मेनन, मुकेश मेहता और सी. वी. सारथी ने पृथ्वीराज प्रोडक्शंस और ई4 एक्सपेरिमेंट्स के बैनर तले किया है। निर्माताओं के करीबी सूत्रों के अनुसार, 'आई, नोबडी' एक ऐसी सिनेमाई प्रस्तुति होगी, जिसमें रोमांच, भावनाएं और दमदार अभिनय का शानदार मेल देखने को मिलेगा।

'लॉकअप 2' के लिए फराह खान और रितेश देशमुख ने ली इतनी फीस

'लॉक अप' के दूसरे सीजन की शुरुआत से ही यह शो लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। शो के कंटेस्टेंट्स और ड्रामेटिक ट्विस्ट के अलावा इस बार इसके नए होस्ट फराह खान और रितेश देशमुख भी खूब चर्चा में हैं। दोनों को दर्शकों से काफी प्यार मिल रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस शो को होस्ट करने के लिए ये सितारे कितनी फीस ले रहे हैं?

फराह ने चार्ज की इतनी फीस

सियासत की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान 'लॉक अप 2' को होस्ट करने के लिए हर एपिसोड के करीब 15 लाख से 25 लाख रुपये तक चार्ज कर रही हैं। हालांकि, इस रकम को लेकर अभी तक फराह खान या शो के मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

रितेश देशमुख की फीस

रितेश देशमुख की फीस को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन सियासत की रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्हें भी लगभग उतनी ही फीस मिल रही है जितनी उन्हें 'बिग बॉस मराठी' होस्ट करने के दौरान मिली थी। बताया जा रहा है कि वह हर एपिसोड के करीब 20 लाख से 40 लाख रुपये तक चार्ज कर सकते हैं।

युविका से तलाक की चर्चा पर बोले प्रिंस नरूला

रियलिटी टीवी पर अपने कॉन्फिडेंट अंदाज के पीछे प्रिंस नरूला एक खामोश और कमजोर कर देने वाली लड़ाई लड़ रहे थे। हाल ही में प्रिंस नरूला और उनकी पत्नी युविका चौधरी ने अपनी जिंदगी के एक मुश्किल दौर के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि कैसे उन्हें महीनों तक जबरदस्त पैनिक अटैक, रातों-रात नींद न आने और लगातार डर का सामना करना पड़ा।

नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' पर बातचीत के दौरान प्रिंस नरूला ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन उन्हें खुद एंग्जायटी का सामना करना पड़ेगा। पंजाब के एक छोटे से गांव में पले-बढ़े होने के कारण, वहां मानसिक स्वास्थ्य के बारे में कोई बात नहीं करता था। पीछे मुड़कर देखने पर उन्होंने माना कि कई साल तक उन्हें इस बारे में गलतफहमी रही। उन्होंने स्वीकार किया कि वो ऐसे माहौल से आए थे, जहां कोई जानता भी नहीं था कि एंग्जायटी का क्या मतलब होता है। वे एंग्जायटी या डिप्रेशन के बारे में बात करने वाले लोगों का मजाक उड़ाते थे और उनसे कहते थे कि बस बाहर जाओ और मजे करो। हालांकि, वो चाहते थे कि हर कोई यह समझे कि यह बिल्कुल असली चीज है।

एंग्जायटी के चलते दुनिया से बना ली दूरी

प्रिंस ने याद करते हुए कहा कि जब मुझे एंग्जायटी हुई तो मेरा दिल बेकाबू होकर तेजी से धड़कने लगता था। मैं बीच ट्रैफिक में अपनी कार छोड़कर चला जाता था। दोस्तों के साथ फिल्म देखते-देखते अचानक उठकर भाग जाता था क्योंकि मुझे सांस लेने में तकलीफ होती थी। रातें सबसे मुश्किल होती थीं। मैं लगातार छह महीने तक सो नहीं पाया। मुझे अंधेरे से सयमुच डर लगने लगा था। मैंने काम करना बंद कर दिया, सबसे दूरी बना ली और दुनिया से गायब हो गया। एंग्जायटी धीरे-धीरे मेरी मानसिक और शारीरिक सेहत पर असर डालने लगी थी। मेरा कोलेस्ट्रॉल बढ़ गया था। मेरे लिवर में थकान के लक्षण दिखने लगे थे। मैं ऐसी सेहत संबंधी समस्याओं से जूझ रहा था जिनका सामना मैंने पहले कभी नहीं किया था। सबसे बुरे दौर में मैं हर दिन 18 गोलियां लेता था।

मुझे सच में लगता था कि अगर मैं सो गया, तो कभी नहीं जाग पाऊंगा। इसलिए मैं सोने से बहुत डरता था और उससे बचने की पूरी कोशिश करता था। मैं अपनी बेटी के साथ हर पल बिताना चाहता था। मैंने खुद को यकीन दिला लिया था कि मुझे दुनिया की हर बीमारी हो गई है।

मैं प्यार के मामले में बहुत बदकिस्मत हूं

टेलीविजन अभिनेत्री आकांक्षा चमोला पिछले कुछ समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेता गौरव खन्ना के साथ करीब नौ साल पुराना रिश्ता टूटने की खबर ने उनके फैंस को पहले ही हैरान कर दिया था। इसके बाद उन्होंने अपनी निजी जिंदगी से जुड़े कई ऐसे खुलासे किए, जिनकी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हुई। अब एक बार फिर आकांक्षा ने अपने दिल की बात साझा करते हुए कहा है कि वह प्यार के मामले में खुद को बदकिस्मत मानती हैं। आकांक्षा ने कहा कि उन्होंने अब इस स'चाई को स्वीकार भी कर लिया है। नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' के एक एपिसोड के दौरान आकांक्षा चमोला अपनी करीबी दोस्त पामेला सेरेना और को-कंटेस्टेंट वरुण यादव (उर्फ लैला) के साथ प्यार और रिश्तों पर खुलकर बात करती नजर आईं। बातचीत के दौरान आकांक्षा ने कहा, 'मेरी एक महिला दोस्त ने मुझसे कहा था कि दुर्भाग्य से मैं प्यार के मामले में बदकिस्मत हूं और हमेशा रहूंगी। उस वक्त मैंने सोचा कि शायद यही सच है और अब मैंने इसे स्वीकार कर लिया है।

उनकी यह बात सुनकर वरुण यादव ने उनसे दोबारा पूछा, 'क्या तुम सच में प्यार के मामले में बदकिस्मत हो?' इस पर आकांक्षा ने जवाब दिया, 'हां, मैं प्यार के मामले में बहुत बदकिस्मत हूं।' गौरतलब है कि 'लॉक अप: सच या सजा' के लॉन्च के दौरान ही आकांक्षा चमोला ने अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर बड़ा खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि वह और उनके पति गौरव खन्ना पिछले एक साल से अलग रह रहे हैं और अब दोनों ने तलाक लेने का फैसला कर लिया है। आकांक्षा के इस बयान ने शो की होस्ट फराह खान के साथ-साथ उनके फैंस को भी चौंका दिया था। आकांक्षा और गौरव खन्ना ने नवंबर 2016 में लव मैरिज की थी। दोनों की जोड़ी टीवी इंडस्ट्री की पसंदीदा जोड़ियों में गिनी जाती थी। शादी के बाद दोनों करीब नौ साल तक साथ रहे, लेकिन हाल ही में आकांक्षा ने अपने सेपरेशन की पुष्टि कर दी। इसके बाद से उनकी निजी जिंदगी लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है।

यही नहीं, पिछले हफ्ते शो के 'जजमेंट डे' एपिसोड में भी आकांक्षा ने अपनी जिंदगी से जुड़ा एक और अहम खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि वह बाइसेक्शुअल हैं और गौरव खन्ना से शादी करने से पहले महिलाओं के साथ भी रिश्तों में रह चुकी हैं। उनके इस बयान ने सोशल मीडिया पर एक नई बहस छेड़ दी थी और कई लोगों ने उनके साहस की सराहना भी की। इन दिनों 'लॉक अप: सच या सजा' को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। इसमें आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कई चर्चित कलाकार भी हैं।

लाला अमरनाथ पर शाहरुख संग फिल्म बनाना चाहते थे हिरानी

आमिर खान अपनी अगली फिल्म 'ललकार' में भारतीय क्रिकेट के दिग्गज लाला अमरनाथ की भूमिका निभाने जा रहे हैं। इसी बीच फिल्म ब आमिर इस कहानी को 'ललकार' के रूप में बड़े परदे पर लेकर आ रहे हैं। फिल्म में उनकी जोड़ी एक बार फिर निर्देशक आशुतोष गोवारिकर के साथ बनेगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, 'ललकार' की कहानी 1से जुड़ा एक दिलचस्प खुलासा सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर से पहले इसी विषय पर शाहरुख खान और निर्देशक राजकुमार हिरानी साथ काम करने की प्लानिंग बना चुके थे। बताया जा रहा है कि 2018 में 'जीरो' और 'संजू' की रिलीज के बाद राजकुमार हिरानी ने शाहरुख को लाला अमरनाथ की बायोपिक का आइडिया सुनाया था। हालांकि, कई कारणों से यह प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ पाया। बाद में कोविड-19 महामारी के दौरान प्लानिंग्स बदल गईं और हिरानी ने शाहरुख को 'डंकी' का ऑफर दिया, जो 2023 में रिलीज हुई।

• जिम्बाब्वे दौरे पर वरुण चक्रवर्ती की जगह रवि बिश्नोई को मौका

इंग्लैंड से वनडे सीरीज में हर्षित की जगह लेंगे प्रिंस

नई दिल्ली। युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा और अनुभवी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से अनिश्चित समय के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर हो गए हैं। प्रिंस यादव को हर्षित राणा की जगह इंग्लैंड दौरे पर वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है।रवि बिश्नोई को वरुण चक्रवर्ती की जगह जिम्बाब्वे दौरे पर भारत की टी20 टीम में चुना गया है। बिश्नोई ने ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में 17वें ओवर में 29 रन दिए थे। इसके बाद उनकी काफी आलोचना हुई थी।

बीसीसीआई ने कहा, 'राणा ने इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में तीसरे टी20 के दौरान अपने दाहिने हैमस्ट्रिंग में अचानक तकलीफ होने की शिकायत की। बाद के स्कैन में ग्रेड 1 हैमस्ट्रिंग चोट का पता चला। वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं और आगे की जांच और मैनेजमेंट के लिए बीसीसीआई सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस (ष्टह्रश्व) को रिपोर्ट करेंगे।' चक्रवर्ती को ग्रेड 2 की चोट है। वह तीन से छह महीने तक मैदान से दूर रह सकते हैं। वह जल्द ही 35 साल के होने वाले हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव।

जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा (उप-कप्तान), इशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), रवि बिश्नोई।

क्या इंग्लैंड सीरीज में हासिल करेंगे उपलब्धि

कोहली 15 तो रोहित 12 हजार रन के करीब

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में 4-0 से क्लीन स्वीप झेलने के बाद भारतीय टीम वनडे क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगी। इस दौरान दिग्गज क्रिकेटर पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली पर निगाहें होंगी। टी20 और टेस्ट से संन्यास के बाद दोनों खिलाड़ी वनडे क्रिकेट में ही मैदान पर दिखते हैं।

भारत ने पिछली वनडे सीरीज अफगानिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड दौरे से पहले खेला था। रोहित शर्मा ने आखिरी मैच में अर्धशतक जड़ा था। विराट कोहली चोटिल होने के कारण सीरीज में नहीं खेल पाए थे। इंग्लैंड दौरे पर दोनों खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। इस सीरीज के दौरान दोनों खिलाड़ी बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं।

सिनर ने लगातार दूसरी बार विंबलडन जीता

• ज्वेरेव को चार सेट में हराया; युवराज सिंह, अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी मैच देखने पहुंचे

लंदन (एजेंसी)। वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ 24 वर्षीय सिनर लगातार दूसरी बार विंबलडन चैंपियन बने। वे ओपन एरा में विंबलडन पुरुष एकल खिताब बचाने वाले इतिहास के सिर्फ 10वें खिलाड़ी बन गए। 24 साल के सिनर ने पहली बार फाइनल खेल रहे में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-7(7), 7-6(2), 6-3, 6-4 से हराकर लगातार दूसरी बार ट्रॉफी जीती। यह मैच 3 घंटे 46 मिनट तक चला। इसी के साथ सिनर ने करियर का 100वां ग्रैंड स्लैम मैच जीतने की अचीवमेंट भी हासिल की। चैंपियन बनने पर सिनर को 36 लाख पाउंड (करीब 42 करोड़) की इनामी राशि भी मिली। वे एटीपी रैंकिंग में नंबर-1 बने रहेंगे। उनके और नए नंबर-2 बनने वाले ज्वेरेव के बीच 4,970 अंकों का अंतर रहेगा।

यह 5वां ग्रैंड स्लैम टाइटल, इस साल पहला

यह सिनर के करियर का 5वां ग्रैंड स्लैम और 2026 सीजन का पहला मेजर खिताब है। इससे पहले वे फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में जुआन मैनुअल सेरुंडोलो से हारकर बाहर हो गए थे। हालांकि, उन्होंने ग्रास कोर्ट पर शानदार वापसी की। सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हराने के बाद फाइनल में भी उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया।

स्मृति मंधाना का लॉर्ड्स में चला बल्ला

• लगाया दूसरा अर्धशतक; दूसरी पारी में भी शतक लगाने से चूकीं

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ओपनर बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच की सीरीज की दूसरी पारी में भी अपने बल्ले का दम दिखाया और इस बार भी वो शतक लगाने से चूक गईं। स्मृति मंधाना पहली पारी में भी शतक के करीब पहुंच गई थीं, लेकिन वो लॉर्ड्स में शतक नहीं लगा पाईं। दूसरी पारी में भी उनके पास मौका था जो उनके हाथ से निकल गया। हालांकि मंधाना टेस्ट क्रिकेट में दोनों पारियों में 70 रन ये उससे ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं।

राहुल द्रविड़ बन सकते हैं इंग्लैंड टेस्ट टीम के कोच

एंडी फ्लावर, फ्लिंटॉफ और लैंगर के नाम पर भी चर्चा; मैकुलम को हटाया

लंदन (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ इंग्लैंड की टेस्ट टीम के नए मुख्य कोच बनने की दौड़ में शामिल हैं। ब्रेंडन मैकुलम के पद छोड़ने के बाद ईसीबी (इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड) पॉसिबल कैंडीडेट्स के नाम पर विचार कर रहा है, जिसमें द्रविड़ का नाम भी है।

डेली टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार द्रविड़ उन चुनिंदा कैंडीडेट्स में शामिल हैं, जिन पर ईसीबी विचार कर रहा है। इस लिस्ट में एंडी फ्लावर, एंड्रयू फ्लिंटॉफ और जस्टिन लैंगर जैसे नाम शामिल हैं। एक दिन पहले रविवार 12 जुलाई को ईसीबी ने मैकुलम को टेस्ट कोच के पद हटाने की जानकारी दी।

द्रविड़ की कोचिंग स्ट्राइल बनी बड़ी ताकत - द्रविड़ की प्लांड कोचिंग, खिलाड़ियों को विकसित करने की क्षमता और लंबे समय की सोच उन्हें इस पद के लिए मजबूत दावेदार बनाती है। 53 साल द्रविड़ के कार्यकाल में भारत ने 2024 टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। टीम 2023 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी पहुंची थी। भारत की अंडर-19 और ए टीम के साथ उनका काम भी काफी सराहा गया है।

फुल-टाइम कोचिंग के इच्छुक नहीं हैं द्रविड़ - रिपोर्ट में यह भी लिखा गया कि द्रविड़ फुलटाइम कोचिंग की जिम्मेदारी लेने के इच्छुक नहीं हैं। इंग्लैंड की टेस्ट टीम का कोच बनने पर उन्हें परिवार के साथ अधिक समय बिताने का मौका मिलेगा और टेस्ट क्रिकेट में योगदान देने का अवसर भी मिलेगा। इसलिए ईसीबी कम से कम उनकी रुचि जरूर जानना चाहेगा।

• **एंडी फ्लावर सबसे मजबूत दावेदार** - पूर्व जिम्बाब्वे कप्तान एंडी फ्लावर भी इस पद के प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। उनके कार्यकाल में इंग्लैंड ने तीन एशेज सीरीज जीती थीं। साथ ही टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया था। रिचर्ड डॉसन, श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा और पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन के नाम भी संभावित उम्मीदवारों में शामिल बताए जा रहे हैं। ईसीबी अगले साल होने वाली एशेज सीरीज को ध्यान में रखते हुए जल्द ही नए टेस्ट मुख्य कोच की नियुक्ति करना चाहता है।

यूपी टी20 सीजन चार का शेड्यूल आया सामने, पहली बार दो शहरों में होस्ट की जाएगी लीग

कानपुर (एजेंसी)। यूपी टी20 लीग (यूपी टी 20 सीजन 4) 14 अगस्त से 6 सितंबर तक होगी। 24 दिन के इस टूर्नामेंट में 34 मैच होंगे, जिसमें 13 डबल हेडर मैचडे और 8 सिंगल-हेडर मैचडे शामिल हैं, ऑर्गनाइजर ने रविवार को यह घोषणा की। लीग के इतिहास में पहली बार यूपी टी20 को 2 शहरों में होस्ट किया जाएगा। टूर्नामेंट का पहला फेज भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में खेला जाएगा, जहां 13 मैचडे में 22 मैच होंगे।

दूसरा फेज ग्रीन पार्क स्टेडियम, कानपुर में शिफ्ट होगा, जहां 1 मैचडे में बाकी 12 मैच होस्ट किए जाएंगे। यूपी टी20 सीजन 4 की ओपनिंग सेरेमनी और पहला मैच लखनऊ में होगा, जबकि कानपुर में फाइनल और क्लोजिंग सेरेमनी होगी, जिससे टूर्नामेंट का शानदार समापन होगा। उत्तर प्रदेश क्रि एसोसिएशन की गवर्निंग काउंसिल की रविवार को मीटिंग हुई और यूपी टी 20 लीग के चौथे एडिशन के आयोजन से जुड़े कई खास प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

इस मौके पर, यूपीसीए ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, योगी आदित्यनाथ और बीसीसीआई के उपाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद, राजीव शुक्ला का खेलों के विकास के लिए लगातार गाइडेंस, सपोर्ट और कमिटमेंट के लिए दिल से शुक्रिया अदा किया। गवर्निंग काउंसिल ने टूर्नामेंट के शेड्यूल, जगहों, प्लेयर ऑक्शन, टूर्नामेंट ऑपरेशन, टैलेंट डेवलपमेंट और कॉम्पिटिशन की दूसरी खास बातों पर भी डिटेल में बातचीत की।

यूपी टी20 सीजन 4 का मिनी ऑक्शन 24 जुलाई को आगरा में होगा, जिसमें लीग की छह फेंचाइजी में 45 प्लेयर स्लॉट उपलब्ध होंगे। इसके अलावा गवर्निंग काउंसिल ने रिटेंशन पॉलिसी, प्लेयर सिलेक्शन प्रोसेस, कैचमेंट एरिया ट्रायल्स, सपोर्ट स्टाफ सिलेक्शन गाइडलाइंस और मिनी ऑक्शन रेगुलेशन को मंजूरी दी, जिससे पूरे टूर्नामेंट में ट्रांसपेरेंसी, फेयरनेस और प्रोफेशनल स्टैंडर्ड सुनिश्चित होंगे। लोकल टैलेंट को बढ़ावा देने के लिए, कैचमेंट एरिया मॉडल लागू रहेगा, जिससे उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों के उभरते हुए क्रिकेटरों को अपनी स्किल्स दिखाने के ज्यादा मौके मिलेंगे। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना यूपी टी20 लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रहेंगे। लीग का पॉपुलर ऑफिशियल एंथम, खिलाड़ी यहां बनता है (चैंपियंस यहां बनते हैं), इस सीजन में भी जारी रहेगा। शानदार परफॉर्मेंस को इनाम देने के लिए लीग ने कुल 3 करोड़ रुपए का प्राइज पूल रखा है। चैंपियन को 1 करोड़ रुपए, रनर-अप को 60 लाख रुपए मिलेंगे जबकि दूसरी टॉप परफॉर्म करने वाली टीमों और खिलाड़ियों को भी आकर्षक कैश अवॉर्ड मिलेंगे।

अदिति अशोक एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त 56वें स्थान पर पहुंची

एवियन ले बेंस (फ्रांस) (एजेंसी)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक अंतिम दौर में तीन ओवर 74 के लचर प्रदर्शन के साथ रविवार को यहां 2026 आमुंडी एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से 56वें स्थान पर रहीं।

दक्षिण कोरिया की हेइ रेन रयु ने पहले प्ले ऑफ में बर्डी पट के साथ लगातार दूसरा मेजर खिताब अपने नाम किया। शुरुआती तीन दौर में 70, 70 और 69 के स्कोर के साथ अदिति के पास अच्छा नतीजा हासिल करने का मौका था लेकिन वह अंतिम होल में पांच बोगी और दो बर्डी से तीन ओवर का स्कोर ही बना पाईं। दो हफ्ते पहले 2026 केपीएमजी महिला पीजीए चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाले रयु ने प्ले ऑफ में कनाडा की ब्रूक हेंडरसन को पछाड़ा। रयु ने इसी गोल्फ कोर्स पर 2015 में आमुंडी एवियन जूनियर्स कप भी जीता था।

'शिवम दुबे काबिल नहीं हैं'

जाफर ने बताए 2 नाम जो ले सकते हैं स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की जगह

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में 4-0 से हारने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम सामने कई ऐसे सवाल हैं जिनका कोई जवाब नहीं मिला है। टीम के लिए एक बड़ी चिंता ऑलराउंडर्स को लेकर है। पिछले कुछ साल में हार्दिक पांड्या ने व्हाइट-बॉल फॉर्मेट में टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। चोटिल होने की वजह से तेज गेंदबाजी करने वाले ऑलराउंडर अभी सिलेक्शन प्रोसेस से बाहर हैं। भारतीय टीम मैनेजमेंट को हार्दिक पांड्या की जगह लेने के लिए किसी सही

• **शिवम दुबे से आगे सोचने की जरूरत** - टीम इंडिया के पूर्व ओपनर वसीम जाफर का मानना है कि अब टीम को शिवम दुबे से आगे सोचने की जरूरत है। जाफर के मुताबिक नितीश कुमार रेड्डी और सूर्यांश शेडगे ऐसे दो संभावित खिलाड़ी हैं जो हार्दिक पांड्या की जगह ले सकते हैं। अपने यूट्यूब चैनल वसीम जाफर ऑफिशियल पर बातचीत के दौरान वसीम जाफर ने कहा कि अगर आप हार्दिक पांड्या जैसा ही कोई

श्रेयस ने 218 रन बनाकर तोड़ा कोहली का रिकॉर्ड

• T20I के एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-5 भारतीय कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के नए कप्तान श्रेयस अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ खेले 5 मैचों की टी20 सीरीज में अपनी टीम के लिए जमकर रन बनाए। भारत को इस वनडे सीरीज में बेशक 0-4 से पराजय मिली, लेकिन कप्तान की बल्लेबाजी ने सबका दिल जीता। एक तरफ जहां भारतीय बैटर इंग्लैंड में रन बनाने के लिए संघर्ष करते हुए नजर आए तो वहीं श्रेयस ने दिखाया कि विपरित परिस्थिति में भी किस तरह से बैटिंग की जाती है।

श्रेयस अय्यर ने बतौर कप्तान पहली बार इंग्लैंड की धरती पर किसी टी20आई सीरीज में भारत की कप्तानी की और इसमें 218 रन बनाते हुए विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। श्रेयस अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में 54.50 की औसत और 157.97 की स्ट्राइक रेट के साथ 218 रन बनाए जिसमें 2 अर्धशतक भी शामिल थे और उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 80 रन रहा। श्रेयस ने 18 चौके और 7 छक्के भी लगाए।

श्रेयस निकले विराट कोहली से आगे

श्रेयस अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए 5 मैचों की टी20 सीरीज में 218 रन बनाए और भारत की तरफ से टी20आई में किसी एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कप्तानों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए। कोहली ने साल 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए टी20आई सीरीज में बतौर कप्तान भारत के लिए 181 रन बनाए थे। हालांकि इस लिस्ट में पहले नंबर पर सूर्यकुमार यादव हैं जिन्होंने साल 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ बतौर कप्तान 242 रन बनाए थे।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 सेमीफाइनल शेड्यूल

अर्जेंटीना के सामने इंग्लैंड की चुनौती फ्रांस को चुनौती देने उतरेगा स्पेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 अपने आखिरी दौर में पहुंच रहा है और 48 टीमों वाले इस टूर्नामेंट में अब सिर्फ चार टीमें बची हैं। मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना के साथ-साथ इंग्लैंड, फ्रांस और स्पेन ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है और इनमें से कोई एक ही इस बार चैंपियन बनेगा। इस वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल मुकाबले भारतीय समय के मुताबिक कितने बजे और किस दिन खेले जाएंगे।

अर्जेंटीना का सामना इंग्लैंड के साथ-लियोनेल मेसी और अर्जेंटीना के लिए सेमीफाइनल तक का सफर जबरदस्त रहा है जिसमें एक्स्ट्रा-टाइम में टिके रहना, शानदार रणनीति और खिलाड़ियों के व्यक्तिगत कमाल के पल शामिल रहे हैं। अब उनका मुकाबला इंग्लैंड से होगा जिसने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई है। उसे सबसे बड़ी जीतों में से एक जीत राउंड ऑफ 16 में मिली जहां उन्होंने विरोधी दर्शकों के बीच मेक्सिको को हराया। क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड, नॉर्वे से एक गोल से पीछे चल रहा था लेकिन जूड बेलिंगहम के शानदार खेल की बदौलत वापसी करते हुए जीत हासिल की।

फ्रांस और स्पेन में होगी भिड़ंत- डलास में फ्रांस और स्पेन का सेमीफाइनल मुकाबला होगा। किलियन एम्बाप्पे की टीम पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रही है और अब तक की सबसे असरदार टीम मानी जा रही है। स्पेन ने अपने खास अंदाज में लगातार पासिंग और अहम मौकों पर गोल करने की काबिलियत दिखाई है। उन्होंने राउंड ऑफ 16 में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल को हराया और फिर क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम को 2-1 से मात दी थी। हालांकि स्पेन का प्रदर्शन भी अब तक दमदार रहा है और फ्रांस की टीम को इस टीम से कड़ी टक्कर मिलने की पूरी उम्मीद है।

मेसी का लक्ष्य आत्मविश्वास से भरी इंग्लैंड की टीम के खिलाफ अर्जेंटीना के खिताब बचाने की उम्मीद को जिंदा रखना होगा।

FIFA वर्ल्ड कप 2026 सेमीफाइनल का शेड्यूल

फ्रांस बनाम स्पेन

तारीख और समय: बुधवार, 15 जुलाई 2026 को रात 12:30 बजे IST

7 वेन्यू: डलास स्टेडियम

इंग्लैंड बनाम अर्जेंटीना

तारीख और समय: गुरुवार, 16 जुलाई 2026 को रात 12:30 बजे IST

7 वेन्यू: अटलांटा स्टेडियम

धमतरी में विशेष एचपीवी टीकाकरण सप्ताह शुरू

13 से 18 जुलाई तक 14 वर्ष की बेटियों को लगेगा नि :शुल्क जीवनरक्षक टीका

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

धमतरी जिले में बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने के लिए आज से विशेष लद्दश टीकाकरण सप्ताह की शुरुआत हो गई है। यह अभियान 18 जुलाई 2026 तक चलेगा। अभियान के तहत 14 वर्ष की आयु की सभी पात्र बालिकाओं को स्वास्थ्य विभाग द्वारा नि:शुल्क लद्दश टीका लगाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने अभियान को सफल बनाने के लिए स्कूलों से लेकर स्वास्थ्य केंद्रों तक व्यापक तैयारियां की हैं।

कैंसर से बचाव का सुरक्षित कवच

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि ह्यूमन पैपिलोमा वायरस लद्दश संक्रमण ही सर्वाइकल कैंसर का मुख्य कारण है। समय पर लगाया गया लद्दश टीका इस गंभीर कैंसर से बचाव का सबसे सुरक्षित और प्रभावी माध्यम है। यह टीका भविष्य में कैंसर के जोखिम को काफी हद तक कम कर देता है, इसलिए सभी पात्र बालिकाओं का टीकाकरण जरूरी है।

इन स्थानों पर मिलेगी सुविधा

अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास और शिक्षा विभाग मिलकर काम कर रहे हैं। टीकाकरण की सुविधा इन जगहों पर उपलब्ध होगी:

- जिला अस्पताल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र- जिले के चिन्हित विद्यालय
- निर्धारित विशेष टीकाकरण सत्र स्थल

अभिभावकों से अपील

धमतरी कलेक्टर ने सभी माता-पिता और अभिभावकों से अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बेटियों का स्वस्थ भविष्य हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। लद्दश टीका पूरी तरह सुरक्षित है। किसी भी भ्रांति या अफवाह पर ध्यान न दें और स्वास्थ्य विशेषज्ञों पर भरोसा रखकर अपनी 14 वर्ष की बेटियों को यह टीका अवश्य लगवाएं। आपका यह एक निर्णय आपकी बेटी को जीवनभर की सुरक्षा दे सकता है। कलेक्टर ने जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मितानिनों और स्वयंसेवी संगठनों से भी अपील की कि वे इसे जन-आंदोलन का रूप दें। उन्होंने संकल्प लिया कि जिले की एक भी पात्र बालिका इस जीवनरक्षक टीके से वंचित नहीं रहनी चाहिए।

भिलाई : फायर एंड सेफ्टी इंस्टिट्यूट के सभी छात्र परीक्षा में उत्तीर्ण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दुर्ग जिले के फायर, सेफ्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट में सत्र 2025-2026 के अग्निशमन और औद्योगिक सुरक्षा प्रशिक्षण की परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। संस्थान के सभी छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में भाग लेकर इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। संस्था के मुख्य प्रबंधक रवि सोनी, जनसंपर्क मनोज ठाकरे और गुरुजन शत्रुहन लाल धनकर व तपन कुमार विश्वास ने बताया कि प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद छात्रों ने पूरी तैयारी के साथ परीक्षा दी। परीक्षा में शामिल सभी छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण हुए हैं।

एमएसएमई से मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र

उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को सूक्ष्म लघु मध्यम उद्यम मंत्रालय, एमएसएमई सीटीआर लुधियाना, पंजाब द्वारा मान्यता प्राप्त सरकारी प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। संस्थान विगत 13 वर्षों से अग्निशमन और औद्योगिक सुरक्षा के क्षेत्र में प्रशिक्षण दे रहा है।

उपलब्धि

13 वर्षों से फायर और इंडस्ट्रियल सेफ्टी का प्रशिक्षण दे रहा है संस्थान

संस्थान के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद छात्रों को शासकीय, अधर्शासकीय और निजी कंपनियों में रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। कई छात्र फायरमैन और औद्योगिक सुरक्षा प्रबंधन जैसे पदों पर कार्यरत हैं। कुछ छात्रों को विदेशों में भी नौकरी के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। फायर, सेफ्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट कैंपस: इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, सुपेला पोस्ट ऑफिस के पास, गदा चौक, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग में स्थित है।

वैशाली नगर में अवैध प्लाटिंग पर विधानसभा में गूंजा मुद्दा, विधायक रिकेश सेन ने उठाए कड़े सवाल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में तेजी से बढ़ रही अवैध प्लाटिंग और बिना अनुमति विकसित की जा रही कॉलोनियों का मुद्दा विधानसभा में जोरदार तरीके से उठा। विधायक रिकेश सेन ने प्रश्न के माध्यम से सरकार से पूछा कि वर्ष 2024 से 17 जून 2026 तक नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग और कृषि भूमि का बिना अनुमति डायवर्सन कर बनाई जा रही कॉलोनियों पर क्या कार्रवाई की गई, कितने मामलों में एफआईआर दर्ज हुई, किन-किन खसरा नंबरों पर रोक लगाई गई तथा दोषियों के खिलाफ क्या कदम उठाए गए। सरकार की ओर से दिए गए जवाब में बताया गया कि वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में 37 अवैध कॉलोनियों पर कारवाई करते हुए अवैध निर्माण ध्वस्त किए गए हैं। वहीं 255 खसरा नंबरों की 35.897 हेक्टेयर भूमि के विक्रय एवं पंजीयन पर रोक लगाने के लिए कलेक्टर और उप-पंजीयक को पत्र भेजा गया है। साथ ही 6 अवैध प्लाटिंगकर्ताओं के खिलाफ न्यायालय में परिवाद दायर किया गया है तथा अन्य मामलों में भी कारवाई जारी है। विधायक रिकेश सेन ने कहा कि अवैध प्लाटिंग केवल कानून का उल्लंघन नहीं है, बल्कि हजारों परिवारों के जीवनभर की कमाई को दांव पर लगाने वाला अपराध है। लोग अपनी मेहनत की पूंजी लगाकर प्लॉट खरीदते हैं, लेकिन बाद में पता चलता है कि कॉलोनी वैध नहीं है। ऐसे में उन्हें न सड़क मिलती है, न बिजली, न पानी, न नाली और न ही भवन निर्माण की अनुमति। उन्होंने कहा कि कई परिवार घर बनाने का सपना लेकर प्लॉट खरीदते हैं, लेकिन अवैध कॉलोनी घोषित होने के बाद वर्षों तक अपने ही प्लॉट पर निर्माण नहीं कर पाते। बैंक लोन नहीं मिलता, रजिस्ट्री और नक्शा संबंधी परेशानियां अलग होती हैं।

सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने के आरोप में 4 लोगों पर केस दर्ज

राजनांदगांव। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन और नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में क्षेत्र को नशा मुक्त बनाने चलाए जा रहे अभियान के तहत चौकी चिखली पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वाले 4 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने बताया कि 12 जुलाई की रात गश्त के दौरान सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते पाए गए: संतोष यादव, नीतेश गनवीर ईश्वर साहू, सोनू वर्मा चारों के विरुद्ध धारा 36(च) आबकारी एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई है।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100